मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 40
मंगलवार, 19 अगस्त 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई में भारी बारिश, आईएमडी ने जारी किया ऑरेंज अलर्ट, बीएमसी ने की स्कूलों की छुट्टी घोषित

मुंबई, 18 अगस्त। मुंबई में सोमवार को लगातार तीसरे दिन भारी बारिश हुई, जिसके बाद आईएमडी ने शहर और आसपास के जिलों के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया है। वाहन चालकों के अनुसार, कुछ इलाकों में मूसलाधार बारिश के कारण दृश्यता कम हो गई और यातायात धीमा हो गया। बृहन्मुंबई नगर निगम ने सोमवार को मुंबई के उन सभी स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी है, जहाँ दोपहर 12 बजे के बाद कक्षाएं शुरू होनी थीं। भारी बारिश के बाद कई सड़कें जलमग्न हो गईं। अंधेरी सबवे और लोखंडवाला कॉम्प्लेक्स जैसे निचले इलाकों में कई जगहों पर पानी जमा हो गया,

जिससे यातायात बाधित हुआ।

कई इलाकों की सड़कें जलमग्न हो गईं, अंधेरी सबवे और लोखंडवाला कॉम्प्लेक्स जैसे निचले इलाकों में पानी जमा हो गया जिससे यातायात बाधित हुआ। शहर की जीवनरेखा कही जाने वाली लोकल ट्रेनें 15 से 20 मिनट की देरी से चल रही हैं, जैसा कि पीटीआई ने अधिकारियों और यात्रियों के हवाले से बताया है। हालाँकि, बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति एवं परिवहन (बेस्ट) उपक्रम की बस सेवाओं के लिए कोई परिवर्तन नहीं किया गया।

आईएमडी के आंकड़ों से पता चलता है कि रविवार और सोमवार सुबह के बीच, उपनगरों में सांताक्रूज में 99 मिमी बारिश हुई, जबकि कोलाबा तटीय वेधशाला ने 38 मिमी बारिश दर्ज की। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के स्वचालित मौसम केंद्रों के अनुसार, रविवार सुबह 8 बजे से सोमवार सुबह 6 बजे के बीच, पूर्वी उपनगरों में सबसे ज्यादा बारिश हुई, औसतन 60.57 मिमी, इसके बाद पश्चिमी उपनगरों में 52.30 मिमी और द्वीपीय शहर में 45 मिमी बारिश हुई। इस बीच, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के सचेत पोर्टल, जो वास्तविक समय में, भू-लक्षित आपदा अलर्ट प्रदान करता है, ने मुंबई शहर, मुंबई उपनगरीय और रायगढ़ जिलों के लिए दोपहर तक रेड अलर्ट जारी किया। आईएमडी ने मुंबई और ठाणे जिलों के लिए कम से कम मंगलवार तक ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जो रेड वार्निंग से एक स्तर नीचे है। इस अवधि के बाद, बारिश की तीव्रता कम होकर भारी बारिश होने की उम्मीद है।

प्रयागराज में दिनदहाड़े ज्वेलर्स की गला रेतकर हत्या, शव नहर में फेंका

ग्रामीणों ने एक बदमाश को दौड़ाकर पकड़ा

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। मऊआइमा थाना क्षेत्र में रविवार को तीन बदमाशों ने ज्वेलर की गला रेतकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को नहर में फेंककर भागने लगे। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने बदमाशों को दौड़ा लिया। ग्रामीणों ने बहादुरी दिखाते हुए एक बदमाश को पकड़ लिया।जबकि दो फरार हो गए। ग्रामीणों ने आरोपी को पुलिस को सौंपा पकड़े गए बदमाश की पहचान शुभम पटेल के रूप में हुई है। मौके पर पहुंची पुलिस को ग्रामीणों ने शुभम पटेल को सौंप दिया। वहीं पुलिस ने ज्वेलर के शव को नहर से बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने के बाद जांच पड़ताल में जुट गई है। शॉप पर जा रहा था ज्वेलर रविवार दोपहर करीब 12.30 बजे प्रयागराज के रमना मानी उमरपुर गांव का रहने वाला ज्वेलर अमन सोनी (24) बाइक से अपनी दुकान जा रहा था। कलुआपुर मजरा हरखपुर गांव के पास छोटी नहर पर पहुंचा था। तभी पहले से घात लगाए बैठे तीन बदमाशों ने अचानक अमन की बाइक रोक दी,अमन कुछ समझ पाता, एक बदमाश ने धारदार हथियार से गले पर वार कर दिया। लोगों का आता देख भागने लगे बदमाश नहर के पास मौजूद ग्रामीणों ने चीखने की आवाज सुनी। बदमाशों ने लोगों को आता देश अमन को नहर में फेंक दिया। एक ही बाइक से बदमाश भागने लगे। ग्रामीणों ने दौड़ाकर एक बदमाश शुभम पटेल को पकड़ लिया। जबकि दो बदमाश प्रेम कुमार और धीरेन्द्र कुमार फरार हो गए। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शुभम पटेल को गिरफ्तार कर लिया।

पैसों को लेकर चल रहा था विवाद वहीं परिवार के लोगों को वारदात की सूचना दी, पुलिस आरोपी शुभम पटेल को थाने लाई और पूछताछ की। पुलिस का कहना है कि शुरूआती जांच में पता चला है कि आरोपियों का अमन से कुछ पैसों को लेकर विवाद चल रहा था। पूछताछ की जा रही है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रहे हैं।

उत्तराखंड सरकार हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज बनाने का प्रयास कर रही है : मुख्यमंत्री धामी

उत्तराखंड, 18 अगस्त। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को कहा कि जनता को स्थानीय स्तर पर ही गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने का प्रयास कर रही है।

यहां आयोजित उत्तराखंड चिकित्सा स्वास्थ्य सशक्तीकरण अभियान में 220 चिकित्सा अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा, हम प्रत्येक जिले में एक-एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं, ताकि लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकें। मुख्यमंत्री ने

कहा कि राज्य में 11 लाख से अधिक मरीजों को अब तक 21 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की कैशलेस इलाज की सुविधा प्रदान की जा चुकी है, जबकि श्रीनगर में कार्डियो और न्यूरोलॉजी तथा हल्द्वानी में कैंसर से संबंधित विशेष चिकित्सा सुविधा प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि आपात स्थिति में सुदूरवर्ती क्षेत्रों से हेलीकॉप्टर के माध्यम से भी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करायी जा रही हैं। उन्होंने इस संबंध में कहा कि हाल में धराली आपदा के दौरान यह देखने को भी मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य केंद्रों के आधुनिकीकरण, पैरामेडिकल स्टाफ की नियुक्ति और टेलीमेडिसिन सेवा के विस्तार से राज्य में चिकित्सा सेवाओं को नया आयाम मिला है। उन्होंने नियुक्ति पत्र पाने वाले चिकित्सकों से बेहतर इलाज के साथ ही मरीजों से मधुर व्यवहार करने, सेवा भाव और समर्पण से काम करने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा, आप मात्र चिकित्सक नहीं बल्कि देवभूमि के आरोग्य प्रहरी भी हैं। आप सभी को प्रदेश की चिकित्सा को जनसुलभ और नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूर्ण समर्पण और सेवाभाव से कार्य करना होगा।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए एकजुट हुआ एनडीए

नई दिल्ली, 18 अगस्त। एनडीए ने उपराष्ट्रपति पद के लिए सीपी राधाकृष्णन को अपना उम्मीदवार बनाया, जिन्हें नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू सहित प्रमुख सहयोगियों का पूर्ण समर्थन मिला है। जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद के लिए एनडीए का उम्मीदवार नामित करने के फैसले का स्वागत किया है। कुमार ने कहा कि जेडी(यू) इस चुनाव में राधाकृष्णन का समर्थन करेगा। नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया पर एनडीए उम्मीदवार को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने एक्स पर लिखा कि महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को एनडीए के उप राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाए

जाने के निर्णय का स्वागत है। जदयू सी॰पी॰ राधाकृष्णन जी का समर्थन करेगा। उन्हें शुभकामनाएं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में नामित किए जाने का स्वागत किया है। एनडीए के एक घटक दल, तेलुगु देशम पार्टी के प्रमुख नायडू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि राधाकृष्णन एक वरिष्ठ नेता हैं जिन्होंने ईमानदारी और जनसेवा के मूल्यों को निरंतर कायम रखा है। उन्होंने कहा कि उनका लंबा राजनीतिक जीवन राष्ट्र के लिए प्रेरणास्रोत है। रविवार रात एक्स पर एक पोस्ट में नायडू ने कहा कि एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में राधाकृष्णन को नामित किए जाने पर बधाई। एक वरिष्ठ राजनेता और सम्मानित नेता के रूप में, उन्होंने लंबे समय तक देश की विशिष्ट सेवा की है। आंध्र के मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि उनकी पार्टी राधाकृष्णन के नामांकन का हार्दिक स्वागत करती है और अपना पूरा समर्थन देती है। इसी तरह, उप-मुख्यमंत्री कल्याण ने राधाकृष्णन की उम्मीदवारी पर बधाई दी। उन्होंने कोयंबटूर से दो बार सांसद, झारखंड के राज्यपाल और वर्तमान में महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में उनके सफर पर प्रकाश डाला, जो लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने के प्रति समर्पण, नेतृत्व और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कल्याण ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारत के उपराष्ट्रपति पद के लिए एनडीए के उम्मीदवार के रूप में राधाकृष्णन के प्रतिष्ठित नामांकन पर उन्हें हार्दिक बधाई। पवन कल्याण ने कहा कि उनका विशाल अनुभव और जनसेवा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता उन्हें हमारे महान राष्ट्र के मूल्यों को बनाए रखने के लिए एक प्रेरणादायक विकल्प बनाती है। केंद्रीय मंत्री और लोजपा-आर के अध्यक्ष चिराग पासवान ने कहा कि लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) देश के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार आदरणीय सीपी राधाकृष्णन जी को पूर्ण समर्थन देती है। तमिलनाडु से आने वाले और OBC समाज के सशक्त प्रतिनिधि के रूप में उनका चयन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सामाजिक न्याय एवं समावेशी विकास के प्रति प्रतिबद्धता का ऐतिहासिक उदाहरण है।

विपक्ष के हंगामे के बीच 'जन विश्वास' विधेयक प्रवर समिति के हवाले

नई दिल्ली, 18 अगस्त। जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक, 2025 को सोमवार को विस्तृत विचार-विमर्श के लिए लोकसभा की प्रवर समिति को सौंप दिया गया। सभापति पद पर आसीन भाजपा सदस्य संध्या रे ने संसदीय पत्रों को सदन के पटल पर रखने और जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक तथा भारतीय प्रबंधन संस्थान (संशोधन) विधेयक को प्रस्तुत करने की अनुमति दी। हंगामे के बीच ही लोकसभा ने जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक को प्रवर समिति को सौंपने का प्रस्ताव भी पारित कर दिया।

इससे पहले विपक्षी सदस्यों के

हंगामे के बीच वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यह विधेयक पेश किया। विधेयक में जीवन की सुगमता और कारोबार करने की सुगमता के लिए विश्वास आधारित शासन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कुछ अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर रखने और तर्कसंगत बनाने के लिए कुछ विधानों का संशोधन करने का प्रावधान है। विधेयक पेश करने के बाद गोयल ने इसे लोकसभा की प्रवर समिति को भेजने का प्रस्ताव रखा जिसे सदन ने ध्वनिमत से पारित कर दिया। समिति से संबंधित नियम और शर्तें लोकसभा अध्यक्ष तय करेंगे। समिति संसद के शीतकालीन सत्र के प्रथम दिन अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। इससे पहले आज, भारतीय राष्ट्रीय विकास समावेशी गठबंधन (इंडिया) के नेताओं ने चुनावी राज्य बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ संसद परिसर में अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखा।

चुनाव आयोग द्वारा रविवार को आरोपों पर स्पष्टीकरण दिए जाने और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से चुनाव में धांधली के अपने दावों के सबूत के साथ एक हस्ताक्षरित हलफनामा प्रस्तुत करने के लिए कहने के बावजूद विरोध प्रदर्शन जारी है।

आवासीय विद्यालय के छात्रावास में लगी आग, 25 लड़कियां बाल-बाल बचीं

लातेहार। झारखंड के लातेहार जिले में सोमवार सुबह एक आवासीय विद्यालय के छात्रावास के एक कमरे में आग लग गई। इस घटना में कम से कम 25 छात्राएं बाल-बाल बच गईं। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, बरियातू की इन छात्राओं के बिस्तर और अध्ययन सामग्री आग में जलकर नष्ट हो गईं। सुबह करीब छह बजे आग लगने का पता चला। उन्होंने बताया कि दमकल की एक गाड़ी को मौके पर भेजा गया और आग बुझाने में एक घंटे से ज्यादा का समय लगा।

अपनी ही बिसात पर मात खा रहा है विपक्ष

-ललित गर्ग

भारत का लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यह केवल संख्याओं और मतों का खेल नहीं है, बल्कि एक ऐसी जीवंत प्रक्रिया है जिसमें सत्ता और विपक्ष दोनों की समान रूप से महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सत्ता पक्ष जहां शासन संचालन और नीतियों को लागू करने के लिए जिम्मेदार होता है, वहीं विपक्ष लोकतंत्र का प्रहरी बनकर उसके हर कदम पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है, असंतोष को स्वर देता है और जनभावनाओं को दिशा देता है। लेकिन वर्तमान विपक्ष इन भूमिकाओं में नकारा साबित हो रहा है, ऐसा प्रतीत होता है कि विपक्ष अपनी ही बिसात पर मात खा रहा है, जिस तरह से विपक्ष और विशेषतः कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वोट चोरी, ईवीएम में गड़बड़ी एवं मतदाता सूचियों के विशेष गहन परीक्षण पर बेतुके एवं आधारहीन आरोप लगाये हैं, उससे संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग की गरिमा एवं प्रतिष्ठा तो आहत हुई ही है, लेकिन विपक्ष की भूमिका भी कठघरे में दिख रही है। यह अच्छा हुआ कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने प्रेस कांफ्रेंस कर वोट चोरी सहित ऐसे ही बेहूदा, आधारहीन एवं गुमराह करने वाले राहुल गांधी के आरोपों का न केवल बिन्दुवार जबाव दिया, बल्कि उन्हें बेनकाब करते हुए यह भी कहा कि वे या तो अपने निराधार आरोपों के सन्दर्भ में शपथ पत्र दें या सात दिनों के भीतर देश से माफी मांगें। निश्चित ही राहुल गांधी को ऐसी चेतावनी देना आवश्यक हो गया था, क्योंकि वे अपने संकीर्ण एवं स्वार्थी राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिये कांग्रेस की संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा को धुंधलाने की सारी हदें पार चुके हैं।

हाल के दिनों में जिस तरह चुनाव आयोग, मतदाता सूची और वोट चोरी के आरोपों को लेकर बहस छिड़ी है, उसने इस प्रश्न को फिर से गहराई से सोचने को बाध्य किया है कि क्या लोकतंत्र में विपक्ष बेबुनियाद आरोप लगाते हुए अपनी भूमिका को प्रश्नों के घेरे में कब तक डालता रहेगा? विपक्ष बिना ठोस प्रमाण के बड़े आरोप लगाकर लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े कर देता है। क्या जनहित के नाम पर जनता के व्यापक हित से जुड़े सुधारों का विरोध करना विपक्ष का शगल बन गया है? पिछले एक दशक से विपक्ष लोकतंत्र को सशक्त बनाने की अपनी भूमिका के बजाय उसे कमजोर एवं जर्जर करने में जुटा है। उसने सत्ता-पक्ष को घेरने के लिये जरूरी मुद्दों को सकारात्मक तरीकों से उठाने की बजाय विध्वंसात्मक तरीकों से विकास के जनहितकारी मुद्दों को भी विवाद का मुद्दा बनाते हुए सारी हदें पार कर पार दी है। आधार को बैंक अकाउंट से जोड़ने का मामला हो या अनुच्छेद 370 को खत्म करना हो। सीएए-एनआरसी का मामला हो या हाल में चुनाव आयोग द्वारा बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन परीक्षण अभियान हो। विपक्ष मोदी सरकार के इन विकासमूलक सुधारों को जनहित के खिलाफ बताते हुए मुखर विरोध कर रहा है, जो लोकतंत्र को धुंधलाने की एक बड़ी साजिश प्रतीत होती है। निश्चित ही विपक्ष की इस खींचतान में सबसे बड़ी क्षति जनता की आस्था को होती है। जब चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता संदिग्ध बनाई जाती है, तो लोकतंत्र की नींव हिलने लगती है। लोकतंत्र में हार-जीत से भी बड़ा मुद्दा चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वसनीयता होता है। विपक्ष केवल सत्ता की आलोचना करने के लिए नहीं है। उसका दायित्व है कि वह जनता की समस्याओं जैसे बेरोजगारी, महंगाई, जीएसटी की अतिश्योक्तिपूर्ण वसूली, पर्यावरण, सफाई, नारी की असुरक्षा जैसे ज्वलंत मुद्दों को उजागर करे, ठोस विकल्प प्रस्तुत करे और लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती में योगदान दे। केवल आरोप-प्रत्यारोप में उलझकर यदि विपक्ष अपनी ऊर्जा खर्च कर देता है तो वह जनता का विश्वास खो देता है। यही कारण है कि आज विपक्ष की स्थिति कमजोर मानी जा रही है, क्योंकि वह केवल आरोप लगाता हुआ दिखता है, समाधान प्रस्तुत करने में पिछड़ जाता है। सत्ता पक्ष को भी यह नहीं भूलना चाहिए कि लोकतंत्र केवल बहुमत से नहीं चलता, बल्कि सहमति और पारदर्शिता से भी चलता है। यदि विपक्ष लगातार सवाल उठा रहा है तो सत्ता पक्ष का कर्तव्य है कि वह धैर्यपूर्वक उत्तर दे, जाँच के रास्ते खोले और हर आरोप को तथ्यों से परखे। विपक्ष को नकार देना लोकतंत्र को कमजोर करना है। जब सत्ता और विपक्ष के बीच टकराव बढ़ता है, तब न्यायपालिका अंतिम सहारा बनती है। यही कारण है कि आज बार-बार सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप की माँग उठती है। यह स्थिति लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है, क्योंकि इसका अर्थ है कि जनता और राजनीतिक दल चुनाव आयोग व अन्य संवैधानिक संस्थाओं पर भरोसा नहीं कर पा रहे हैं। इसलिए न्यायपालिका की भूमिका भी अब केवल विवाद सुलझाने की नहीं रह गई है, बल्कि लोकतंत्र के विश्वास को पुनः स्थापित करने की हो गई है, जबकि यह कार्य राजनीतिक दलों एवं चुनी हुई सरकारों का होता है।

लोकतंत्र का सार यही है कि सत्ता और विपक्ष दोनों एक-दूसरे के पूरक हों, शत्रु नहीं। विपक्ष को केवल विरोध की राजनीति से बाहर आकर वैकल्पिक दृष्टिकोण देना होगा, और सत्ता-पक्ष को भी यह समझना होगा कि विपक्ष की आलोचना लोकतंत्र का अभिन्न हिस्सा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रारंभ से ही विपक्ष को महत्व दिया है, उन्होंने संवेदनशील सरकार के साथ सृजनात्मक नेतृत्व का परिचय दिया है लेकिन विपक्ष जब आग्रह, पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह से घिरा हो तो सकारात्मक दिशाएं कैसे उद्घाटित हो सकती है? आज की राजनीति में लोकतंत्र और विपक्ष के बीच खींचतान तेज है। यह टकराव लोकतंत्र को कमजोर करने वाला नहीं बल्कि उसे और परिपक्व बनाने वाला होना चाहिए। आवश्यकता इस बात की है कि विपक्ष अपनी रचनात्मक भूमिका निभाए और सत्ता पक्ष उसकी आलोचना को स्वीकार कर उत्तरदायित्वपूर्ण जवाब दे। तभी लोकतंत्र की असली शक्ति और जनता के विश्वास को बनाए रखा जा सकता है।

लोकतंत्र की शक्ति केवल सरकार में नहीं बल्कि एक सशक्त और रचनात्मक विपक्ष में भी निहित होती है। विपक्ष लोकतांत्रिक ढांचे का आवश्यक स्तंभ है, जो सत्ता पर निगरानी रखता है, नीतियों में कमियों को उजागर करता है और जनता की आवाज को सदन तक पहुँचाता है। लेकिन जब विपक्ष अपनी इस जिम्मेदारी को भूलकर केवल नकारात्मक राजनीति पर उतर आए, तो लोकतंत्र की नींव कमजोर होने लगती है और देश की छवि तथा स्थिरता पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो जाता है। आज भारत का विपक्ष जिस तरह संसद को ठप करने, व्यक्तिगत हमलों, दुष्प्रचार और असंवेदनशील आचरण पर आमादा है, उसने लोकतंत्र की गरिमा को ठेस पहुँचाई है। संसद सत्र, जहाँ जनता की समस्याओं का समाधान खोजा जाना चाहिए, वहाँ विपक्ष का रवैया अवरोध पैदा करने वाला अधिक दिखता है। महत्वपूर्ण विधेयकों पर सार्थक चर्चा के बजाय नारेबाजी और वॉकआउट आम बात हो गई है। यह स्थिति केवल सरकार ही नहीं, पूरे राष्ट्र के लिए घातक है। इतिहास गवाह है कि जब-जब विपक्ष ने रचनात्मक भूमिका निभाई है तो लोकतंत्र और मजबूत हुआ है। 1977 में आपातकाल के विरोध से लेकर 1989 तक विपक्ष ने लोकतंत्र को बचाने और पुनर्जीवित करने का कार्य किया। लेकिन 2014 के बाद से जिस तरह विपक्ष अपरिपक्व, निरंतर बिखरा हुआ, नेतृत्वविहीन और नकारात्मक एजेंडे पर केंद्रित रहा है, उसने लोकतांत्रिक संस्कृति को आघात पहुँचाया है।

विदेशी ताकतें हमेशा से भारत की आंतरिक कमजोरी का फायदा उठाने की फिराक में रहती हैं। जब विपक्ष सरकार की नीतियों का विरोध करने के नाम पर राष्ट्र-विरोध, राष्ट्रीय सुरक्षा, सेना की कार्रवाई या विदेश नीति तक पर सवाल उठाने लगता है, तो इसका सीधा लाभ पाकिस्तान और चीन जैसे देशों को मिलता है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की छवि को धूमिल करना विपक्ष का उद्देश्य नहीं होना चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य से हालात यही इशारा कर रहे हैं। लोकतंत्र में मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन मतभेद को विघटन में बदल देना खतरनाक है। विपक्ष को याद रखना होगा कि उसकी जिम्मेदारी केवल सत्ता पाने की नहीं, बल्कि देश की स्थिरता और विकास को सही दिशा देने की भी है। अगर विपक्ष अपने दायित्वों को नकारात्मक राजनीति में खोता रहा तो यह न केवल उसके लिए बल्कि पूरे लोकतंत्र के लिए आत्मघाती सिद्ध होगा। आज समय की मांग है कि विपक्ष आत्ममंथन करे, अपनी नीतियों और रणनीतियों को परखे तथा केवल विरोध के लिए विरोध करने की बजाय वैकल्पिक दृष्टि और ठोस समाधान प्रस्तुत करे। यही सच्चे लोकतंत्र का तकाजा है और यही राष्ट्रहित का मार्ग।

भाजपा ने उपराष्ट्रपति उम्मीदवार पर राधाकृष्णन के नाम का ऐलान कर एक तीर से कई निशाने साधे है!

अशोक भाटिया

कई बार ऐसा होता है कि विपक्ष अपनी रणनीति बना लेता है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उस रणनीति के बीच अचानक ऐसा दांव खेल देते हैं कि विपक्षी खेमा चकरा जाता है। एनडीए की ओर से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के तौर पर महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन का नाम सामने आना ऐसा ही मास्टरस्ट्रोक है। आपको याद होगा, जब जगदीप धनखड़ को बीजेपी ने उपराष्ट्रपित के लिए कैंडीडेट चुना था तो पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी दुविधा में फंस गई थीं। क्योंकि धनखड़ तब पश्चिम बंगाल के राज्यपाल हुआ करते थे और ममता विपक्षी दलों की टीम में थीं। आखिर उन्होंने धनखड़ को समर्थन देने का ऐलान कर दिया। अब यही दुविधा उद्धव ठाकरे और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के सामने आ गई है।

पीएम मोदी ने सीपी राधाकृष्णन का नाम आगे बढ़ाकर इन दोनों नेताओं के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं। उद्धव ठाकरे के लिए मुश्किल ये है कि अगर वे राधाकृष्णन को समर्थन नहीं देते हैं, तो यह सीधा मैसेज जाएगा कि उन्होंने अपने ही राज्यपाल के खिलाफ जाकर वोट किया। राजनीति में यह बात जनता और विपक्ष दोनों ही आसानी से पकड़ लेते हैं। यही वजह है कि संजय राउत ने तुरंत कहा, राधाकृष्णन बहुत अच्छे इंसान हैं, विवादास्पद नहीं हैं और उनके पास अनुभव है। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। संजय राउत का बयान संकेत है कि उद्धव ठाकरे इस मामले में बहुत आगे जाकर खुलकर विरोध नहीं कर पाएंगे। उनके पास सिर्फ दो विकल्प हैंझ या तो चुप्पी साध लें या समर्थन कर दें।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन भी असमंजस में आएंगे। वजह यह है कि सीपी राधाकृष्णन तमिलनाडु के हैं और उन्होंने हमेशा अपने को प्राउड आरएसएस कैडर बताया है। अब स्टालिन अगर उन्हें समर्थन देते हैं तो डीएमके के वोटरों में सवाल उठेगा कि आखिर स्टालिन ने एक आरएसएस विचारधारा वाले नेता का समर्थन क्यों किया। और अगर विरोध करते हैं, तो यह आरोप लगेगा कि उन्होंने तमिलनाडु के सपूत को ही नकार दिया। यानी स्टालिन के लिए भी यह चुनाव हां या ना दोनों में फंसा हुआ है। मोदी और शाह की राजनीति की खासियत यह है कि वे चुनावी मुकाबले को सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं मानते, बल्कि उसे मनोवैज्ञानिक लड़ाई बना देते हैं। राधाकृष्णन का नाम घोषित कर वे एक तीर से तीन निशाने साध चुके हैं। उद्धव ठाकरे को मजबूर कर दिया कि वे विरोध न कर पाएं। स्टालिन को ऐसी स्थिति में डाल दिया कि कोई भी फैसला उनके लिए भारी पड़े। राहुल गांधी को कमजोर दिखा दिया, क्योंकि विपक्षी एकता अब सवालों के घेरे में आ गई। अगर उद्धव ठाकरे और स्टालिन जैसे बड़े चेहरे समर्थन की तरफ झुकते हैं, तो विपक्षी गठबंधन में दरार साफ दिखाई देगी। उनके वोट भी कम हो जाएंगे।सीपी राधाकृष्णन अनुभवी हैं। वे अभी चार राज्यों में संवैधानिक जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। इनमें महाराष्ट्र, तेलंगाना, पुडुचेरी, झारखंड शामिल हैं।

सीपी राधाकृष्णन का पूरा नाम चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन है। उनका जन्म जन्म 20 अक्टूबर 1957 को हुआ था। उन्होंने बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में स्नातक की पढ़ाई की। उनका राजनीतिक सफर आरएसएस से शुरू हुआ। 1974 में वे भारतीय जनसंघ की राज्य कार्यकारिणी समिति के सदस्य बने। ये ओबीसी समुदाय कोंगु वेल्लार (गाउंडर) से आते हैं। इनकी पत्नी का नाम आर। सुमति है।

वहीं, साल 1996 में इनको भाजपा तमिलनाडु का सचिव बनाया गया। इसके बाद 1998 में कोयंबटूर से ये पहली बार लोकसभा सांसद चुने गए और 1999 में फिर से जीत का परचम लहराया। साथ ही संसद में उन्होंने टेक्सटाइल पर स्थायी समिति के अध्यक्ष के तौर पर भी काम किया है। ये पीएसयू समिति, वित्त पर परामर्श समिति और शेयर बाजार घोटाले की जांच करने वाली विशेष समिति के सदस्य भी रहे हैं। साल 2004 में इन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा को भारतीय संसदीय दल के हिस्से के रूप में संबोधित भी किया है। ये ताइवान जाने वाले पहले संसदीय प्रतिनिधिमंडल का भी हिस्सा थे। 2004 से 2007 तक वे भाजपा तमिलनाडु प्रदेश अध्यक्ष रहे। इस दौरान उन्होंने 19,000 किलोमीटर लंबी रथयात्रा निकाली, जो 93 दिनों तक चली। इस यात्रा में उन्होंने नदियों को जोड़ने, आतंकवाद खत्म करने, समान नागरिक संहिता लागू करने, छुआछूत समाप्त करने और मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान जैसे मुद्दे उठाए। माना जाता है इस यात्रा से इनका राजनीतिक कद और बढ़ गया था। इसके अलावा उन्होंने दो पदयात्राएं भी कीं। 2016 से 2020 तक वे कोचीन स्थित कोयर बोर्ड के अध्यक्ष रहे। उनके नेतृत्व में कोयर निर्यात 2532 करोड़ रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंचा। 2020 से 2022 तक वे भाजपा के ऑल इंडिया प्रभारी रहे और उन्हें केरल का जिम्मा सौंपा गया।

18 फरवरी 2023 को उन्हें झारखंड का राज्यपाल नियुक्त किया गया। उन्होंने मात्र चार महीनों में राज्य के सभी 24 जिलों का दौरा किया और जनता व प्रशासन से सीधे संवाद किया। 31 जुलाई 2024 को उन्हें महाराष्ट्र का राज्यपाल बनाया गया। इसी बीच साल 2024 में इन्हें तेलंगाना का भी राज्यपाल बनाया गया था। इतना ही नहीं, ये पुडुचेरी के उपराज्यपाल भी बनाए जा चुके हैं।

सीपी राधाकृष्णन एक अच्छे खिलाड़ी भी रहे हैं। कॉलेज स्तर पर वे टेबल टेनिस चैंपियन और लंबी दूरी के धावक रहे। इसके अलावा उन्हें क्रिकेट और वॉलीबॉल का भी शौक रहा है। उन्होंने अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, जापान, चीन और कई यूरोपीय देशों सहित दुनिया के कई हिस्सों की यात्राएं की हैं।

एनडीए के संख्याबल को देखते हुए उनका निर्वाचन तय है। 68 साल के सीपी राधाकृष्णन उम्र के लिहाज से भी मुफीद हैं। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की उम्र 74 साल थी। सी पी राधाकृष्णनन पीएम मोदी से लंबे समय से जुड़े हैं। तमिलनाडु में उन्हेंCoimbatore के अजातशत्रु और Vajpayee of Coimbatore कहा जाता है। राधाकृष्णनन स्वच्छ छवि वाले सर्वमान्य नेता रहे हैं। वह अभी तक स्वदेशी एवं आत्मनिर्भरता के प्रबल समर्थक हैं। राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के उम्मीदवारों के नामों पर विपक्ष में पहले भी सेंध लगती रही है। ऐसे में राधाकृष्णन की उम्मीदवारी विपक्षी एकता की भी परीक्षा मानी जा रही है। पिछले कुछ चुनावों के उदाहरण देखें तो विभिन्न कारणों से विपक्ष के खेमे में फूट पड़ती रही है और इस बार डीएमके के सामने सबसे बड़ी दुविधा होगी। राधाकृष्णन की उपराष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी को एनडीए का बेहद सोचा समझा कदम माना जा रहा है। साथ ही इसे दक्षिण भारत में भाजपा की राजनीतिक पकड़ मजबूत करने की रणनीति से जोड़कर भी देखा जा रहा है। विपक्ष में कैसे पड़ी फूट, इन उदाहरणों से समझिए - यूपीए ने राष्ट्रपति चुनाव में प्रतिभा पाटिल को उम्मीदवार बनाया था और इस पर महाराष्ट्र की होने के नाते शिवसेना ने एनडीए का हिस्सा होने के बावजूद प्रतिभा पाटिल का समर्थन किया था। इसी तरह जब यूपीए ने प्रणब मुखर्जी को जब राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया था, तब भी एनडीए का हिस्सा होने के बावजूद शिवसेना और जेडीयू ने उनका समर्थन किया था। रामनाथ कोविंद को जब एनडीए ने राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया था तब जेडीयू ने विपक्ष में रहने के बावजूद समर्थन किया था क्योंकि वे बिहार के गवर्नर थे। इसी तरह जब एनडीए ने जगदीप धनखड़ को उपराष्ट्रपति का उम्मीदवार बनाया तब तृणमल कांग्रेस ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया था और धनखड़ सर्वाधिक मतों से जीतने वाले उपराष्ट्रपतियों में से एक बने थे।

चुनाव के लिए जारी आंकड़ों के अनुसार, कुल 782 सांसद उपराष्ट्रपति चुनाव में मतदान करने के पात्र हैं, जिसमें 542 लोकसभा और 240 राज्यसभा के हैं। चुनाव में बहुमत के लिए 392 सांसदों की जरूरत होगी।वहीं, सरकार के पक्ष में 427 सांसदों का समर्थन बताया जा रहा है, जिसमें 293 लोकसभा और 134 राज्यसभा के सदस्य शामिल हैं। इसके इतर विपक्ष के पास 355 सांसदों का गणित है, जिसमें 249 लोकसभा और 106 राज्यसभा के सदस्य शामिल हैं। हालांकि, इनमें से 133 सांसदों का समर्थन अभी अनिर्णित माना जा रहा है जो इस चुनाव के फैसले में निर्णायक साबित हो सकते हैं। इन्हीं अनिर्णित 133 वोटों को अपने पक्ष में करने की कोशिशें तेज हो गई हैं। इंडिया ब्लॉक को होने वाली बैठक में इस नंबर गेम पर चर्चा हो सकती है। कांग्रेस और अन्य दलों के नेता अपने उम्मीदवार को मजबूत करने और सरकार के नंबर गेम को चुनौती देने की रणनीति बना सकते हैं। जबकि दूसरी ओर सरकार अपने सहयोगियों साथ मिलकर विपक्ष की कोशिशों को कमजोर करने में जुटी है। इसी क्रम में राजनाथ सिंह ने कांग्रेस अध्यक्ष से बातचीत कर समर्थन मांगा है, क्योंकि इन अनिर्णित वोटों में कई क्षेत्रीय दलों का प्रभाव हो सकता है।

दरअसल, उपराष्ट्रपति पद के लिए होने वाला चुनाव सामान्य चुनाव से विपरीत होता है। उपराष्ट्रपति का चयन आनुपातिक प्रतिनिधित्व के माध्यम से एकल हस्तांतरणीय मत प्रणाली द्वारा किया जाता है। विजेता घोषित होने वाले उम्मीदवार को मतों का एक कोटा पार करना होगा जो कुल वैध वोटों के दो से भाग देकर और एक जोड़कर की जाती है। अगर कोई उम्मीदवार पहली मतगणना में इस कोटे को पार नहीं कर पता तो सबसे कम प्रथम-वरीयता वाले मत पाने वाले उम्मीदवार को प्रक्रिया से बाहर कर दिया जाता है। फिर उनके मतपत्रों को दूसरी वरीयता के आधार पर पुनर्वितरित किया जाता है। ये प्रक्रिया तब तक चलती है जब तक कोई उम्मीदवार बहुमत प्राप्त नहीं कर लेता। सी पी राधाकृष्णन उपराष्ट्रपति बनते हैं तो वे तमिलनाडु से उपराष्ट्रपति बनने वाले तीसरे नेता होंगे और ऐसे में डीएमके के लिए यह मुश्किल भरा फैसला होगा।

हालांकि इंडिया गठबंधन ने भी अपना उम्मीदवार खड़ा करने का फैसला किया है। लिहाजा बीजेपी विरोधी पार्टियों का रुख इस बात पर भी निर्भर करेगा कि वह उम्मीदवार कौन होगा। सीपी राधाकृष्णन के चुनाव की कमान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह संभालेंगे। वहीं संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू सी पी राधाकृष्णन के इलेक्शन एजेंट होंगे।

आपको बता दें कि पिछले महीने जगदीप धनखड़ ने उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था जिसके बाद चुनाव आयोग ने कुछ समय पहले उपराष्ट्रपति पद के इलेक्शन का चुनावी कार्यक्रम तय किया था। यह चुनाव 9 सितंबर को होगा। चुनाव आयोग की अधिसूचना के अनुसार, नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 21 अगस्त है और दस्तावेजों की जांच 22 अगस्त को की जाएगी।

मोदी में है विषम परिस्थितियों में कड़े निर्णय लेने की क्षमता

-संजय सक्सेना

देश-दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाते हुए तेजी से आगे बढ़ रहा हिन्दुस्तान कुछ देसी-विदेशी ताकतों की आंख की किरकिरी बन गया है। विदेशी ताकतों के साथ-साथ हमारे देश के कुछ नेताओं एवं सामाजिक संगठनों को भी आगे बढ़ता भारत रास नहीं आ रहा है। विश्व की राजनीतिक हवाएं भारत के खिलाफ तेजी से बह रही थीं। इसके पीछे इन देशों के कुछ आर्थिक या राजनीतिक कारण हो सकते हैं लेकिन अपने ही देश को खाकर अपने ही देश को नीचा दिखाने में लगे रहने वालों के रवैये पर आश्चर्य होता है। भारत के बढ़ते कदमों को रोकने के लिये अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका और यूरोपीय संघ के देशों द्वारा भारत के खिलाफ आर्थिक प्रतिबंधों की साजिश रची जा रही है। अजब तमाशा देखने को मिल रहा है कि जो अमेरिका अपने दुश्मन देश रूस से तमाम चीजें आयात करता है, वही भारत पर इस बात का दबाव डाल रहा है कि वह रूस की जगह अमेरिका से तेल खरीदे। ऐसा नहीं करने पर अमेरिका द्वारा भारत के ऊपर 50 फीसदी टैरिफ ठोक दी गई। क्योंकि अमेरिका के दबाव के बाद भी भारत ने रूस के साथ अपने व्यापारिक संबंधों को बनाए रखा था। जबकि हकीकत यह है कि अमेरिका अपने कुछ उत्पाद, जिसमें मांसाहारी मिल्क प्रोडक्ट्स खासकर शामिल हैं, उसे भारत में खपाना चाहता है, लेकिन मोदी सरकार ने इससे साफ इंकार कर दिया तो कथित विश्व गुरु बौखला गया।

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि अगर भारत रूस से तेल खरीदना जारी रखेगा, तो वे जी-7 में भारत को अलग-थलग कर देंगे, उस पर टैरिफ लगा देंगे। ऐसे समय में देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस को देश और प्रधानमंत्री के साथ खड़ा होना चाहिये था, लेकिन विपक्षी नेता राहुल गांधी ट्विटर पर पोस्ट कर रहे थेह्यमोदी जी की विदेश नीति फेल हो गई है, जनता भुगत रही है। दिल्ली की सड़कों पर प्रदर्शन होने लगे, जहां लोग ह्यमोदी हटाओ, देश बचाओ के नारे लगा रहे थे। यह सब इंडिया गठबंधन के नेता करा रहे थे। वहीं इससे विचलित हुए बिना मोदी मीटिंग में हर मंत्री से सवाल पूछ रहे थे इन प्रतिबंधों का क्या विकल्प हैं? क्या प्रभाव पड़ेगा? उनका तरीका है सुनना, विश्लेषण करना और फिर निर्णय लेना। वे कहते हैं, राष्ट्रहित पहले। अंतरराष्ट्रीय दबाव से झुकना नहीं, बल्कि संवाद से समाधान निकालना होगा। उन्होंने निर्णय लिया कि भारत रूस के साथ व्यापार जारी रखेगा, लेकिन अमेरिका से बातचीत बढ़ाएगा।

इसी तरह से भारत को चीन की सीमा पर भी तनाव का सामना करना पड़ रहा था। उधर, पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद की घटनाएं फिर से सिर उठा रही थीं। देश के अंदर कांग्रेस, टीएमसी, समाजवादी पार्टी सहित कई और दल भी नकारात्मक राजनीति पर उतर आए हैं। वे जनता को भड़काने में लगे हैं। कभी देश के प्रधानमंत्री को चौकीदार चोर है कहकर अपमानित किया जाता है तो कभी आरोप लगाया जाता है कि मोदी सरकार तानाशाही चला रही है। इसी के साथ जनता से ठुकराये गये कुछ नेता और राजनीतिक दल बेरोजगारी, महंगाई और किसानों के समर्थन के नाम पर आंदोलनों और अराजकता फैलाने लगते हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी को हर कदम पर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मोदी इन विषम परिस्थितियों में कैसे काम करते हैं? कैसे लेते हैं महत्वपूर्ण निर्णय? यह यक्ष प्रश्न है, जहां दृढ़ता, रणनीति और राष्ट्रभक्ति की मिसाल मिलती है। इसको कुछ उदाहरणों से समझा जा सकता है। एक बार, जब कोविड-19 महामारी के दौरान अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ा था, डब्ल्यूएचओ और पश्चिमी देश भारत की वैक्सीन नीति पर सवाल उठा रहे थे। तब मोदी ने साहसिक निर्णय लिया था कि भारत स्वदेशी वैक्सीन पर फोकस करेगा। आज भी, 2025 में, जब अंतरराष्ट्रीय दबाव से देश की अर्थव्यवस्था डगमगा रही है, मोदी चट्टान के समान सामने खड़े नजर आ रहे हैं। मोदी जी का पहला सिद्धांत है डेटा आधारित निर्णय। वे कभी भावनाओं में बहकर फैसला नहीं लेते। विपक्ष की नकारात्मक राजनीति से जनता भड़क रही हो, तो भी वे आंकड़ों पर भरोसा करते हैं। किसान आंदोलन के दौरान, जब मोदी सरकार पर किसान-विरोधी होने का आरोप लगाया जा रहा था, तब मोदी ने कृषि विशेषज्ञों से रिपोर्ट मंगवाई और कानूनों को वापस लेने का फैसला किया न कि दबाव में, बल्कि लंबे विचार-विमर्श के बाद। देश के अंदर की चुनौतियां और भी कठिन हैं। विपक्ष नकारात्मक राजनीति कर रहा है। जनता को भड़काने के लिए फेक न्यूज फैला रहा है। जैसे, जब जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटाई गई, विपक्ष ने कहा यह देश-विरोधी है, मुसलमानों के खिलाफ। प्रदर्शन हुए, अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने भारत को बदनाम किया। लेकिन मोदी ने बिना विचलित हुए ग्राउंड लेवल पर टीम भेजी, स्थानीय नेताओं से बात की, विकास योजनाएं शुरू कीं। निर्णय लेते समय वे हमेशा दीर्घकालिक हितों का ध्यान रखते हैं। उनका तरीका है विपक्ष की राजनीति को अनदेखा कर, जनता के हित पर फोकस। वे रोजाना सोशल मीडिया मॉनिटर करते हैं न कि ट्रोल होने से डरकर, बल्कि जनता की नब्ज जानने के लिए। एक बार, जब हैशटैग फार्मर प्रोटेस्ट ट्रेंड कर रहा था, उन्होंने खुद ट्वीट किया कि किसानों से बात हो रही है, समाधान निकलेगा। यह उनकी रणनीति है जनता से सीधा जुड़ना, विपक्ष के भड़कावे को बेअसर करना। मोदी अकेले नहीं सोचते। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से वे रोज बात करते हैं। जब चीन की सीमा पर एलएसी पर तनाव बढ़ा, अंतरराष्ट्रीय दबाव था कि भारत पीछे हटे। विपक्ष ने कहा मोदी जी ने देश बेच दिया। लेकिन मोदी ने सेना को मजबूत किया, डिप्लोमेसी बढ़ाई। गलवान घाटी की घटना के बाद, उन्होंने निर्णय लिया कि बॉर्डर इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च दोगुना किया जाएगा। यह फैसला विषम परिस्थिति में लिया गया, जब अर्थव्यवस्था दबाव में थी। लेकिन मोदी कहते हैं सुरक्षा पहले, बाकी बाद में।

ऐसी परिस्थितियों में काम करने का उनका रहस्य है अनुशासन और विजन। 2025 में, जब क्लाइमेट चेंज पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ा, पश्चिमी देश भारत से कोयला छोड़ने की मांग कर रहे थे। मोदी ने सीओपी सम्मेलन में घोषणा की कि भारत नेट जीरो का लक्ष्य रखेगा, लेकिन अपनी गति से। विपक्ष ने इसे झूठा वादा कहा, जनता को भड़काया। लेकिन मोदी जी ने घरेलू स्तर पर सोलर एनर्जी प्रोजेक्ट्स तेज किए। निर्णय लेते समय वे हमेशा बहुमत की राय नहीं सुनते, बल्कि सही क्या है, वह चुनते हैं। जैसे, डिमोनेटाइजेशन के दौरान, जब विपक्ष ने काला धन का शोर मचाया, मोदी जी ने कहा यह अर्थव्यवस्था को साफ करेगा। आज, डिजिटल पेमेंट्स की सफलता उसका प्रमाण है। मोदी जी की स्टोरी प्रेरणादायक है। गुजरात के मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री तक का सफर आसान नहीं था। चाय बेचने वाले लड़के से विश्व नेता बनने में उन्होंने सीखा कि दबाव सहना पड़ता है। 2025 की इन विषम परिस्थितियों में, वे काम करते हैं सुबह योग से, दिन भर मीटिंग्स से, रात को प्लानिंग से। महत्वपूर्ण निर्णय लेते हैं डेटा, टीम और राष्ट्रहित पर आधारित। विपक्ष की नकारात्मकता को वे चुनौती मानते हैं, जनता को भड़काने की कोशिशों को संवाद से काटते हैं। अंतरराष्ट्रीय दबाव से झुकते नहीं, बल्कि भारत की आवाज बुलंद करते हैं। उनकी दृढ़ता से भारत आगे बढ़ता है। कुल मिलाकर मोदी में है विषम परिस्थितियों में कड़े निर्णय लेने की क्षमता।

विपक्ष का धर्म : आलोचना या भारत को बदनाम करना?

-सुरेश गांधी

बीजेपी ने अपने लंबे विपक्षी जीवन में कभी भी भारत को बदनाम करने की राह नहीं चुनी। उन्होंने सरकार की आलोचना की, सड़क से संसद तक आंदोलन किए, किंतु भारत के लोकतंत्र और वैश्विक साख को हमेशा सर्वोपरि रखा। इसके विपरीत, वर्तमान विपक्ष खासकर कांग्रेस और उसके सहयोगी ने बार-बार विदेशी मंचों से लेकर अंतरराष्ट्रीय मीडिया तक में भारत को नीचा दिखाने की कोशिश की है। यह प्रवृत्ति केवल राजनीतिक असहमति नहीं बल्कि राष्ट्रीय गरिमा के साथ खिलवाड़ कही जाएगी। बता दें, 1952 से 1977 तक लगातार कांग्रेस का वर्चस्व रहा। इस दौरान जनसंघ और बाद में जनता पार्टी के घटक दलों ने सत्ता से बाहर रहते हुए वैचारिक संघर्ष किया।

1975-77 का आपातकाल विपक्ष की परीक्षा का कालखंड था। जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में संघर्ष हुआ, सैकड़ों नेता जेल गए, किंतु उन्होंने भारत के लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई लड़ी, न कि भारत की छवि को कलंकित किया। 1984 में भाजपा महज 2 सीटों तक सिमट गई। यह सबसे कठिन दौर था। किंतु पार्टी ने हार मानने की बजाय जनता के मुद्दे उठाए, रामजन्मभूमि आंदोलन को आगे बढ़ाया और संगठन विस्तार किया। बीजेपी ने कभी विदेशी धरती से भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को असफल नहीं बताया। उन्होंने संसद को ठप किया, धरना-प्रदर्शन किए, लेकिन भारत असफल है या भारत में लोकतंत्र मर गया है जैसे बयान देने से हमेशा परहेज किया। जबकि 2014 से सत्ता से बाहर कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की रणनीति लगातार आक्रामक रही है। आलोचना करना विपक्ष का कर्तव्य है, परंतु इसकी सीमाएँ तब लांघी जाती हैं जब विपक्ष विदेशी धरती से भारत को अलोकतांत्रिक या तानाशाही कहने लगता है। विदेशी मंचों पर भारत के खिलाफ बयानों के जरिए प्रोपेगैंडा मचाया जाता है. राहुल गांधी ने लंदन और अमेरिका में कई बार कहा कि भारत में लोकतंत्र खतरे में है, प्रेस की आजादी खत्म हो रही है, संस्थाएं दबाव में हैं। यह बयान केवल मोदी सरकार पर वार नहीं बल्कि भारत की लोकतांत्रिक साख पर प्रश्नचिन्ह हैं। विपक्षी दलों के नेताओं के बयानों को पश्चिमी मीडिया भारत के खिलाफ बार-बार उपयोग करता है।

बीबीसी, एनवाईटी, अल जजीरा जैसी संस्थाएं इन बयानों को आधार बनाकर भारत को असहिष्णु या अलोकतांत्रिक कहने से पीछे नहीं हटतीं। सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट एयर स्ट्राइक जैसी ऐतिहासिक कार्रवाइयों पर भी विपक्ष ने सवाल उठाए। जब पूरी दुनिया भारत की सैन्य क्षमता और साहस की प्रशंसा कर रही थी, तब विपक्षी नेताओं ने सबूत मांगकर देश की सेना की मनोबल पर चोट पहुंचाई। सीएए, 370 हटाने, कृषि कानून, चुनाव आयोग या न्यायपालिका पर विपक्षी नेताओं ने ऐसे आरोप लगाए जिन्हें विदेशी ताकतें भारत विरोधी प्रोपेगेंडा के लिए भुनाती हैं। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है। विपक्ष का कार्य सरकार की गलतियों को उजागर करना और बेहतर विकल्प सुझाना है। परंतु आलोचना और बदनामी में बुनियादी अंतर है। संसद में बहस, रिपोर्ट कार्ड, जनता के मुद्दों पर सवाल उठाने के बजाए विदेशी मंच से देश की छवि खराब करना, लोकतंत्र पर सवाल उठाना, सेना या संवैधानिक संस्थाओं को नीचा दिखाना विपक्ष की कार्यशैली बन चुका है। जबकि बीजेपी ने सत्ता में रहते हुए भी कांग्रेस को दुश्मन नहीं बल्कि प्रतिद्वंदी माना, जबकि वर्तमान विपक्ष ने सरकार-विरोध को देश-विरोध में बदलने की प्रवृत्ति अपनाई है। जब विपक्ष भारत की छवि पर हमला करता है तो उसका असर सिर्फ आंतरिक राजनीति तक सीमित नहीं रहता। विदेशी निवेशक असमंजस में पड़ते हैं। अंतरराष्ट्रीय मीडिया भारत को अस्थिर लोकतंत्र बताने लगता है। वैश्विक मंचों पर भारत के नेतृत्व की क्षमता पर प्रश्न उठते हैं। आज भारत जी-20, ब्रिक्स, एससीओ जैसे मंचों पर वैश्विक नेतृत्व कर रहा है। ऐसे में विपक्ष के गैर-जिम्मेदाराना बयान न केवल सरकार को बल्कि भारत की वैश्विक साख को नुकसान पहुंचाते हैं। भारतीय जनता विपक्ष से केवल विरोध नहीं बल्कि विकल्प चाहती है। महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर ठोस नीति। संसद में बहस और संवाद। सकारात्मक राजनीति। बीजेपी के लंबे विपक्षी अनुभव से यही शिक्षा मिलती है कि जनता उस विपक्ष को ही महत्व देती है जो देश की गरिमा बनाए रखते हुए सरकार की गलतियों को उजागर करे। भारतीय लोकतंत्र में विपक्ष का स्थान अनिवार्य है, किंतु विपक्ष का यह दायित्व भी है कि वह भारत की गरिमा को सर्वोपरि रखे।

सत्ता की आलोचना और भारत की बदनामी द इन दोनों में स्पष्ट अंतर है। बीजेपी ने दशकों तक विपक्ष में रहते हुए लोकतांत्रिक मयार्दा निभाई। उसने सरकार की नीतियों पर आक्रामक प्रहार किए लेकिन भारत की छवि को कभी कमजोर नहीं होने दिया। इसके विपरीत, कांग्रेस और वर्तमान विपक्ष ने पिछले 11 वर्षों में बार-बार विदेशी मंचों से भारत को नीचा दिखाने की कोशिश की है। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र को कमजोर करने वाली है और जनता इसके प्रति सजग है। आज जरूरत है एक रचनात्मक, सकारात्मक और राष्ट्रहित सर्वोपरि रखने वाले विपक्ष की, जो सत्ता को संतुलित करे लेकिन देश की छवि को कभी आहत न करे। मेरा मानना है कि भारत एक प्राचीन सभ्यता और जीवंत लोकतंत्र है। इस लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष दोनों की अपनी-अपनी भूमिकाएं हैं। सत्ता जनता द्वारा चुनी गई सरकार चलाती है तो विपक्ष उस सरकार की नीतियों और फैसलों पर सवाल उठाकर उसे जनता के प्रति जवाबदेह बनाए रखता है। यही लोकतांत्रिक संतुलन है। लेकिन सवाल तब उठता है जब विपक्ष अपनी इस संवैधानिक भूमिका को छोड़कर ऐसे कदम उठाए, जिनसे देश की प्रतिष्ठा और छवि को चोट पहुंचे। पिछले 11 वर्षों से लगातार यही देखने को मिल रहा है कि कांग्रेस सहित विपक्षी दल हर मंच पर भारत को बदनाम करने का अवसर ढूंढ़ते हैं। विदेशों के विश्वविद्यालयों से लेकर अंतरराष्ट्रीय संगठनों और मीडिया तक, विपक्षी नेता बार-बार यह कहते हुए सुने जाते हैं कि भारत का लोकतंत्र खतरे में है, यहां की संस्थाएं दबाव में हैं और अल्पसंख्यकों के अधिकार छीने जा रहे हैं। ऐसे में बड़ा सवाल तो यही है, क्या यही विपक्ष की जिम्मेदारी है? आज जब कांग्रेस विपक्ष की भूमिका में है तो उसकी राजनीति का केंद्र बिंदु सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार का विरोध रह गया है। यह विरोध कई बार देश की सीमाओं से बाहर जाकर, अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भारत की छवि को कमजोर करने तक पहुंच जाता है, जो गलत है। विपक्ष का अधिकार है कि वह सरकार से सवाल करे। लेकिन जब विपक्ष सरकार की आलोचना और देश की छवि को नुकसान पहुँचाने में फर्क भूल जाए तो चिंता स्वाभाविक है।

महामंडलेश्वर डॉ बृजभूषण बापू का एसएम खान ने लिया आशीर्वाद

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष एसएम खान के वसोर्वा विधानसभा स्थित आनंद नगर जनसंपर्क कार्यालय में आज महामंडलेश्वर संत डॉ. बृजभूषण बापू का आगमन हुआ। इस अवसर पर भारी संख्या में लोग उनके दर्शन के लिए उपस्थित थे। एसएम खान ने उनका आशीर्वाद तथा मार्गदर्शन लिया। श्री खान ने कहा कि संतों का जीवन और उनके उपदेश सामाजिक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। इनका दर्शन करने मात्र से जीवन में व्यापक परिवर्तन आता है और हम बुराइयों से दूर जाते हैं। एसएम खान को आशीर्वाद देते हुए महामंडलेश्वर संत डॉ. बृजभूषण बापू ने कहा कि नेक और ईमानदारी के रास्ते पर चलने वाले लोग ही मानवता की रक्षा करते हैं। उन्होंने उपस्थित लोगों से अधिक से अधिक भलाई का काम करने की अपील करते हुए कहा कि सभी धर्मों में पाप और पुण्य की परिभाषा समान है। उन्होंने कहा कि सनातन के उद्धार के लिए तथा विश्व शांति के लिए श्री10 महाविद्या महायज्ञ का आयोजन जल्द होने जा रहा है। इस अवसर पर उपस्थित लोगों में सुधीर तिवारी, भोजपुरी के मशहूर फिल्म अभिनेता मनोज आर पांडे, लक्ष्मीकांत अग्रवाल, विजय सरोज, अमरचंद यादव, पंकज शर्मा, आरके दुबे, सुनील दुबे अंबर उल्लाल पंडित, श्रीप्रकाश दुबे, राजीव चौहान, इस्माइल शेख, खुशबू सिंह, कविता दुबे आदि का समावेश रहा।

श्री बड़ी दुर्गा महारानी जी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा मनाया 79वां स्वतंत्रता दिवस

पालघर(उत्तरशक्ति)। श्री बड़ी दुर्गा महारानी जी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत धर्मनगरी आजाद नगर में स्थित श्री बड़ी दुर्गा महारानी जी मंदिर के प्रांगण में 15 अगस्त 2025 को सुबह 10 बजे ध्वजारोहण कर बड़े धूमधाम के साथ 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत पंडित राघवेंद्र जी के द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ भारत माता के छायाचित्र के समक्ष पुष्प अर्पण व पूजन करके की गई। तत्पश्चात मुख्य अतिथि के तौर पधारे भाजपा नेता अशोक वड़े के हाथों ध्वजारोहण किया गया। इस मौके पर उपस्थित सभी लोगों ने झंडे को सलामी देते हुए राष्ट्रगान गाया। वहीं ट्रस्ट की ओर से मिष्ठान वितरण कर सभी जनों का मुंह कराते हुए एक दूसरे को गणतंत्र दिवस की बधाई दी। इस अवसर पर श्री बड़ी दुर्गा महारानी जी चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष जितेंद्र दुबे, विक्रांत साहनी, मनोहर सिंह, राजू श्रीवास्तव, शैलेंद्र सिंह, रंजन नामदेव, दीपू यादव, अशोक सिंह, संजय कु.जायसवाल, तीर्थराज पाण्डेय, बालाराम अवस्थी, सभाजीत यादव, हेमराज यादव, बजरंगी, अमरजीत चौहान, अकालु यादव, राम अवतार महतो, कृष्णा पासी, रूपेश ठाकुर, स्वर्णेश, सुरेश चौरसिया, राजेश चौरसिया, अवधनाथ यादव, श्यामलाल यादव, मयूर कुट्टे, सुनील मिश्रा, राजकुमार पाण्डेय, धर्मेंद्र मौर्या, संजय बारी, चैरिटेबल ट्रस्ट की रेनू दुबे समेत बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएं एवं बच्चे उपस्थित रहे।

टाटा एआईए की 'शुभ शक्ति' भारत की सुपरवुमन को सशक्त और सुरक्षित बनाएगी

मुंबई/पटना। टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस ने बहुत ही गर्व के साथ लॉन्च की है, विशेष रूप से महिलाओं के लिए डिजाइन की गई टर्म इंश्योरेंस योजना ₹शुभ शक्ति₹। यह केवल एक जीवन बीमा उत्पाद नहीं, बल्कि एक समग्र सुरक्षा योजना है जो हर महिला के जीवन के विशिष्ट चरण और वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करती है, जिससे उसे अपनी और अपने प्रियजनों की सुरक्षा करने का अधिकार मिलता है और साथ ही वह अपनी व्यक्तिगत और व्यावसायिक यात्रा में आगे बढ़ सकती है।

स्वतंत्रता दिवस पर टाटा नमक की आयोडीन जागरूकता मुहिम का गांवों तक विस्तार

मुंबई/गया। पूरा देश स्वतंत्रता दिवस मनाने की तैयारी कर रहा है और ऐसे में देश का नमक के नाम से प्रसिद्ध टाटा नमक, देश के हर कोने से जुड़ने के लिए अपने ऑडियो अभियान नमक हो टाटा का... टाटा नमक का विस्तार कर रहा है। टाटा नमक विशेष रूप से मानसिक विकास में आयोडीन की भूमिका पर संवाद को गांव-गांव तक पहुंचा कर अपनी प्रतिबद्धता को एक कदम आगे बढ़ा रहा है। देश का नमक अभियान डिजिटल और टेलीविजन प्लेटफॉर्म पर पेश होने के बाद, अब प्रमुख परिवहन केंद्रों में ऑडियो एक्टिवेशन के जरिये ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है। इस अभियान में टाटा नमक का जाना-पहचाना जिंगल है, जिसे चार फिल्मों के जरिये नए सिरे से पेश किया गया है। यह अभियान सही मात्रा में आयोडीन सेवन के महत्व को उजागर करता है, जिससे बच्चों का बौद्धिक विकास और फिर, देश की दीर्घकालिक प्रगति प्रभावित हो सकती है।

आज भी देश में छोटे गांव और शहरों के लोग के लिए रेलवे एवं बस अड्डों का उपयोग आवागमन के लिए करते हैं। ऐसे में टाटा नमक का जिंगल आम लोगों तक पहुंचने के लिए मुजफ्फरपुर, पटना जंक्शन, हाजीपुर, आगरा, प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ चारबाग, इंदौर, भोपाल, इटारसी, कटनी, सतना, नासिक रोड, शोलापुर, खड़गपुर, संतरागाछी, मेचेदा सहित और भी प्रमुख स्टेशनों पर नियमित अंतराल में बजाया जा रहा है। इस तरह ब्रांड का संदेश रोज आने-जाने वाले उन यात्रियों तक पहुंचता है, जो पारंपरिक मीडिया से नहीं जुड़ पाते हैं।

इसके अलावा टाटा नमक महाराष्ट्र, राजस्थान जैसे राज्यों में बड़े शहरों की यात्रा करने वाले ग्रामीण लोगों तक आयोडीन जागरूकता पहुंचाने के लिए, बड़े बस अड्डों पर यही जिंगल बजा रहा है। ग्रामीण इलाकों से जुड़ने की रणनीति को और दृढ़ करते हुए, इस अभियान के तहत आयोडीन एक्सप्रेस नामक वैन एक्टिवेशन भी शुरू किया है, जो बिहार के 28 शहरों में फैला है। यह एक्टिवेशन स्कूली छात्रों के साथ-साथ बाजारों, मोहल्लों और हाट में व्यापक तौर पर लोगों से जुड़ता है।

बोईसर शहर में दहीहंडी पर आनंद का वर्चस्व, लाखों की फूटीं मटकियां

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपरांत 16 अगस्त (शनिवार) को बोईसर शहर में दहीहंडी उत्सव 2025 बड़े ही धूमधाम, जोश और उत्साह के साथ मनाया गया। झमाझम बारिश और भारी भीड़ के बीच गोविंदाओं की टोलियों ने ऊँचे पिरामिड बनाकर मटकियां फोड़ीं और लाखों रुपये का इनाम अपने नाम किया।शहरभर में आयोजित दहीहंडी महोत्सव में राजनीतिक दलों और सामाजिक संस्थाओं का जबरदस्त दमखम देखने को मिला। भाजपा बोईसर शहर, शिवसेना (शिंदे गुट) झ शिव सम्राट प्रतिष्ठान, शिवसेना (उबठा), मनसे और शिवशक्ति सामाजिक संगठन सहित कई संस्थाओं ने लाखों रुपये की ईनामी मटकियां गोविंदाओं के लिए सजाई थीं। देर शाम तक आयोजित इस पर्व में दर्शकों का उत्साह चरम पर रहा। भीड़ के जयकारों और ढोल-ताशों के बीच गोविंदाओं की टोलियां मटकियां फोड़ते हुए मंचासीन अतिथियों से सम्मान व पुरस्कार प्राप्त करती रहीं। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आयोजकों ने पुलिस बंदोबस्त, दुर्घटना निवारण व्यवस्था और एंबुलेंस की सुविधा पूर्व से सुनिश्चित की थी। वहीं, रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उत्सव में चार चाँद लगा दिए। इस अवसर पर भाजपा नेता अशोक सदु वडे, भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रशांत आ. संखे, जिला युवती आघाडी की सालोनी रुपेश संखे, रुपाली आ. संखे, शिवसेना शिंदे गुट उप जिला प्रमुख निलम रमा. संखे, मुकेश पाटील, शहर प्रमुख अतुल देसाई, शिवसेना (उबठा) गुट के मनोज संखे (बाँब), मनसे पदाधिकारी, शिवशक्ति सामाजिक संगठना प्रमुख संजय ज. पाटील, डिमेलो सर, मिलिंद वडे, गजानन देशमुख, प्रो. संजय घरत, महेंद्र भोणे, श्याम संखे समेत कई गणमान्य अतिथियों ने विजेता गोविंदाओं को सम्मानित करते हुए उन्हें हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

सुनील गंगवानी का जन्मदिन समारोह पूर्वक संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई कांग्रेस के महासचिव, पूर्व नगरसेवक सुनील गंगवानी का जन्म दिवस समारोह, मुलुंड कांग्रेस कार्यालय पर समारोह पूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर संजय पाटील(सांसद), कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. बाबूलाल सिंह, डॉ. आर. आर. सिंह, सुप्रसिद्ध समाजसेवी बिरजू मुंदडा,मेहुल गोसर (भवन निमार्ता), केतन शाह (अध्यक्ष गुजरती सेल, मुंबई कांग्रेस), उत्तम गीते(कार्याध्यक्ष ई. मु. जिला), अशोक त्रिवेदी, मधुकर म्हात्रे, हेमंत बापट,भरत अमेसर (अध्यक्ष सेवाराम फाउंडेशन), प्रकाश जैस्वाल, अश्विनी पोचे, राकेश राघवन,मोहनलाल राज, रइस खान, भगवान किशोर तिवारी, राजेंद्र उठवाल, एड. शरीफ खान, पीताम्बर साहू, उमेश टपाल, संजीव कोलेकर, सुशील सालियन, अरविन्द यादव, पी आर राव, मनोज संसारे, सहित कई गणमान्य लोगों ने शाल, पुष्प गुच्छ, भेंट वस्तु प्रदान कर शुभकामनायें प्रदान किया।

मूसलाधार बारिश सेतीनबत्ती भाजी मार्केट में जलजमाव से जनजीवन अस्त व्यस्त

आचार्य सूरजपाल यादव
भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी में अनवरत हो रही मूसलाधार बारिश से जलजमाव के कारण भिवंडी के तीनबत्ती भाजी मार्केट में २ से ३ फुट पानी भर गया वहीं भिवंडी के निचले हिस्सों में जल जमाव से जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। तीनबत्ती भाजी मार्केट के भाजी विक्रेताओं में दहशत सी हो गयी है। मनपा के आपत्ति विभाग ने रस्सी बांधकर रास्ता बंद कर दिया है। बतादें कि कल रात से हो बारिश ने आज दोपहर से मूसलाधार बारिश का रुप ले लिया जिसके चलते भिवंडी को लगकर कामवारी नदी लबालब भरकर बहने लगी। यदि इसी तरह बरसात होती रही तो शहर के निचले क्षेत्रों में म्हाडा कालोनी, ईदगाह आदि क्षेत्रों की झोपडपट्टियों में पानी भरने का भय लोगों में बना हुआ है। जबकि मानकोली नाका, अंजूरफाटा, होलीमेरी स्कूल, कोपर, काल्हेर आदि क्षेत्रों में जलजमाव के कारण यातायात ठप्प सा हो गया है।

रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर द्वारा इंटर स्कूल डांस प्रतियोगिता आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले की औद्योगिक नगरी बोईसर तारापुर के पश्चिम स्थित टीमा हॉल में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर की ओर से इंटर स्कूल डांस कॉम्पिटिशन का भव्य आयोजन किया गया। देशभक्ति की भावना से सराबोर इस कार्यक्रम ने पूरे सभागार को देशप्रेम के रंग में रंग दिया। रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर पिछले कई वर्षों से इस सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन करता आ रहा है। इस वर्ष का आयोजन क्लब के अध्यक्ष रोटेरियन रामनारायण गोयल के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। क्लब अध्यक्ष ने मुख्य अतिथि रोटेरियन इंदुमती गोपीनाथन (डिस्ट्रिक्ट गवर्नर की प्रिंसिपल एड) का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। साथ ही असिस्टेंट गवर्नर शशांक ठाकरे, उमरोली क्लब के प्रेसिडेंट सागर घरत, वाडा क्लब के रोटेरियन समीर गहवाले एवं अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ा दी। इस प्रतियोगिता की सफलता में क्लब सेक्रेटरी शैलेश अग्रवाल, प्रोजेक्ट डायरेक्टर पास्ट प्रेसिडेंट अश्विनी सामंत, रोटेरियन स्मिता जाधव, प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर सुमन मित्तल तथा पास्ट प्रेसिडेंट संदीप राऊत, राजेश सामंत, रमेश मित्तल, जगदीश भूते, विनायक पदमवार व राकेश मिश्रा के अलावा रोटेरियन अलका जैन, दीपक पाटिल और मुकेश भाटिया ने आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई। रोटरेक्ट टीम के अध्यक्ष सोहन सामंत, सेक्रेटरी ज्ञानेश्वरी, ट्रेजरर मूंदड़ा तथा राहुल इंटरनेशनल स्कूल इंटरैक्ट क्लब की प्रेसिडेंट स्वरा कदम, ओस्तवाल स्कूल इंटरैक्ट क्लब की प्रेसिडेंट श्वेजल दुबे एवं सेक्रेटरी दिव्या लाहोटी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

प्रतियोगिता में बोईसर तारापुर के कुल 9 विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। सभी ने विभिन्न देशभक्ति गीतों पर तिरंगे की शान में मनमोहक एवं ऊजार्वान नृत्य प्रस्तुतियाँ दीं। इन प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और पूरा ऑडिटोरियम देशभक्ति के जोश से गूंज उठा। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच आदर्श विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज, बोईसर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के अनुरूप पुरस्कार वितरित किए गए।

इस कार्यक्रम में भारी संख्या में रोटेरियन सदस्य सपरिवार, शहर के प्रबुद्ध नागरिक, गणमान्य अतिथि, विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाएँ तथा अभिभावक उपस्थित रहे। सभी आगंतुकों एवं विद्यार्थियों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था भी की गई थी। कार्यक्रम के समापन अवसर पर क्लब सेक्रेटरी शैलेश अग्रवाल ने सभी अतिथियों, रोटेरियन सदस्यों, विद्यालयों के शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों का तहेदिल से आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे सांस्कृतिक आयोजनों को निरंतर जारी रखने का आश्वासन दिया।

कोकुयो कैम्लिन में 79वें स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण, शहीदों को किया गया नमन

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के तारापुर एमआईडीसी क्षेत्र अंतर्गत स्थित कोकुयो कैम्लिन लिमिटेड में 15 अगस्त को 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े हर्षोल्लास और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। इस अवसर पर कंपनी के महाप्रबंधक अभिषेक त्रिपाठी ने ध्वजारोहण किया। उनके साथ महाप्रबंधक (एच.आर.) अजीत राणे, प्रबंधक यतिन म्हात्रे तथा सुरक्षा रक्षकों ने तिरंगे को सलामी दी। ध्वजारोहण के बाद महाप्रबंधक अभिषेक त्रिपाठी, महाप्रबंधक (एच.आर.) अजीत राणे, प्रबंधक यतिन म्हात्रे और बोईसर-पालघर पत्रकार संघ के अध्यक्ष रामप्रकाश निराला ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देश के सभी शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर उन्होंने उपस्थित जनसमूह को 79वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ दीं और सभी से देश की एकता, अखंडता व प्रगति के लिए निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में कंपनी के सुरक्षा रक्षकों ने सुसज्जित परेड कर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। ध्वजारोहण समारोह में सामाजिक कार्यकर्ता रामनरेश यादव, संगीता शाह, सुनीता सकपाल सहित कंपनी के अनेक कामगार, कर्मचारी एवं सेवानिवृत्त कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

गणेश उत्सव डीजे मुक्त -डीसीपी अतुल झेंडे की अपील

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण डोंबिवली में गणेशोत्सव बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है, लेकिन पुलिस प्रशासन ने ध्वनि प्रदूषण के मुद्दे पर चिंता व्यक्त की है। पुलिस उपायुक्त अतुल जेंडे ने अपील की है कि गणेशोत्सव शांतिपूर्ण, डीजे-मुक्त और पर्यावरण के अनुकूल तरीके से मनाया जाए। ध्वनि प्रदूषण के कारण लोगों को तनाव, चिंता और नींद की कमी जैसी शारीरिक और मानसिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। पालिका आयुक्त अभिनव गोयल और डीसीपी अतुल जेंडे अतिरिक्त पुलिस आयुक्त संजय जाधव ने सभी गणेश मंडलों से पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए इस वर्ष गणेशोत्सव को डीजे-मुक्त बनाने की अपील की है।

गणेशोत्सव के दौरान पर्यावरण के अनुकूल सजावट का उपयोग करने से पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव कम हो सकता है। गणेश उत्सव शांतिपूर्ण मन से ध्वनि प्रदूषण को कम कर सकता है और लोगों को राहत भी मिल सकती है। कल्याण पश्चिम के अत्रे हाल में कार्यक्रम के दौरान, उपायुक्त अतुल जेंडे ने अपील की कि गणेशोत्सव शांतिपूर्ण, डीजे-मुक्त और पर्यावरण के अनुकूल तरीके से मनाया जाए। पुलिस प्रशासन ने लोगों से ध्वनि प्रदूषण मानदंडों का पालन करने और पर्यावरण के अनुकूल तरीके से गणेशोत्सव मनाने का अनुरोध किया है।

पालकमंत्री गणेश नाईक 20 अगस्त को जव्हार में करेंगे जनता दरबार

नागरिकों से सीधा संवाद कर समस्याओं का होगा समाधान

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र प्रदेश के वन मंत्री एवं पालघर जिले के पालकमंत्री गणेश नाईक की अध्यक्षता में 20 अगस्त 2025 को सुबह 11 बजे जव्हार के शासकीय विश्राम गृह के सामने स्थित रेड सॉइल रिसॉर्ट में जनता दरबार का आयोजन किया जायेगा।

इस जनता दरबार का मुख्य उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं व अड़चनों को सीधे जानना और उनका निराकरण करना है। पालकमंत्री गणेश नाईक स्वयं लोगों से संवाद करेंगे और उनकी समस्याओं को सुनकर समाधान का मार्ग निकालेंगे। जिलाधिकारी डॉ. इंदुरानी जाखड़ ने नागरिकों से अपील की है कि वे बड़ी संख्या में 20 अगस्त को जव्हार पहुंचकर अपनी समस्याओं और प्रश्नों को रखें, ताकि उनका निपटारा समय पर किया जा सके। जनता दरबार में जिले के सभी कार्यालय प्रमुख भी उपस्थित रहेंगे, ताकि प्राप्त शिकायतों और आवेदनों का त्वरित निवारण किया जा सके। इससे पहले आयोजित जनता दरबारों में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया था और उन्हें सकारात्मक प्रतिसाद भी मिला था। जिलाधिकारी डॉ. जाखड़ ने पुनः नागरिकों से आग्रह किया है कि वे 20 अगस्त को जव्हार में आयोजित इस महत्वपूर्ण जनता दरबार में अवश्य उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का समाधान करवाएं।

शिवतेज मित्र मंडल द्वारा धूमधाम से मनाई गई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत धर्म नगरी आजाद नगर स्थित काशी विश्वनाथ एवं शीतला माता मंदिर में शिवतेज मित्र मंडल के तत्वावधान में शनिवार 16 अगस्त 2025 को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का भव्य आयोजन किया गया। इस पावन अवसर पर श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और मंदिर प्रांगण में भक्तिरस से सराबोर माहौल दिखाई दिया।

कार्यक्रम का नेतृत्व केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष, शिवतेज मित्र मंडल अध्यक्ष, काशी विश्वनाथ मंदिर एवं शीतला माता मंदिर के संस्थापक अध्यक्ष तुलसीराम केवट ने किया।

उनके मार्गदर्शन में मंडल के कार्यकताओं व भक्तजनों ने जन्माष्टमी पर्व को धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर अनेक लोग मंदिर प्रांगण में पहुंचकर भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का आनंद उठाया। मंदिर प्रांगण में भगवान श्री कृष्ण की झांकी सजाई गई थी। इस शुभ अवसर पर श्रद्धालुओं द्वारा भजन-कीर्तन करते रात 12 बजे श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के साथ ह्यनंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल कीह्न के जयघोष से पूरा वातावरण गूंज उठा। कार्यक्रम के मुख्य सहयोगियों में धर्मेंद्र शाह, सर्वेश सिंह, सुमित सिंह, कुंदन झा, संतोष साहनी, कृष्णा साहनी, विनय पांडे, शिवाजी कदम, राजीव रंजन सिंह, शिवलाल गुप्ता, राजू यादव, सुनील लांडे, राजू सिंह, सोनू जहांगीर, संजय मास्टर, तूफान जेना, हरिराम विश्वकर्मा, गौरी विश्वकर्मा, राजेश सिंह, कुंदन ओझा, मुन्ना ठाकुर, राजू तिवारी, दूधनाथ शाह व सुमित ठाकुर सहित अन्य सहयोगी उपस्थित रहे।

लिबास ने रिटेल ग्रोथ ड्राइव के तहत मुंबई में नया स्टोर लॉन्च किया

मुंबई। भारत के अग्रणी अल्ट्रा-फास्ट फैशन ब्रांड लिबास ने 15 अगस्त को बोरिवली स्थित ओबेरॉय स्काई सिटी में अपना नया स्टोर लॉन्च करते हुए ऑफलाइन मार्केट में अपने तेजी से विस्तार को और आगे बढ़ाया है। यह कदम भारत के डाइनामिक ऑफलाइन मार्केट में ब्रांड की गहरी पैठ को दर्शाता है और 2025 के अंत तक 50 से अधिक स्टोर खोलने के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह स्टोर 4000 sq. ft. में फैला हुआ है। डिजाइन से लेकर सोर्सिंग और ग्राहक अनुभव तक, लिबास हमेशा अपनी मूल सोच मेड इन इंडिया, मेड फॉर इंडिया के प्रति सच्चा रहा है। आगामी स्टोर लॉन्च इस विश्वास का विस्तार हैं, जो देशभर में आधुनिक भारतीय महिलाओं की विविधता, व्यक्तित्व और आकांक्षाओं का उत्सव मनाते हैं। लिबास के संस्थापक एवं सीईओ सिद्धांत केशवानी ने कहा, ह्लयह विस्तार हमारी विकास यात्रा में एक निर्णायक कदम है, जिससे हम देशभर में अपनी मौजूदगी को मजबूत कर रहे हैं। इन हाई-इम्पैक्ट मार्केट्स में कदम रखते हुए हम रणनीतिक रूप से लिबास को उन आधुनिक भारतीय महिलाओं के करीब ला रहे हैं, जिन्होंने हमें प्रेरित किया है और आकार दिया है। 11 स्टेप्स क्लोजर अभियान भारत की फैशन-फॉरवर्ड महिलाओं को समर्पित है। जैसे-जैसे हम टियर-1 और टियर-2 शहरों में विस्तार कर रहे हैं, हमारा उद्देश्य ऐसे स्पेस बनाना है जो स्थानीय सौंदर्य को प्रतिबिंबित करें और साथ ही एकसमान लिबास अनुभव प्रदान करें। हर स्टोर हमारे लिए सार्थक जुड़ाव, सुनने और फैशन अनुभव को सह-निर्मित करने का अवसर है। ये लॉन्च 2025 के लिए लिबास की व्यापक रिटेल और बिजनेस रणनीति का हिस्सा हैं, जिसका उद्देश्य भारतीय फैशन के लिए एक डिजाइन-प्रधान, डिजिटल-समर्थित और सांस्कृतिक रूप से जुड़ा हुआ इकोसिस्टम तैयार करना है। हाई-ग्रोथ अर्बन और सेमी-अर्बन मार्केट पर खास ध्यान देते हुए, लिबास गति, स्टाइल और रणनीति को मिलाकर अपनी अगली विकास यात्रा को आकार दे रहा है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

छात्रों के दो गुटों में चले ईट-पत्थर, हवाई फायरिंग

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के सिद्धीकपुर के पास छात्रो के दो पक्षों में जमकर ईट पत्थर चले और जिसमें एक पक्ष ने आधा दर्जन राउंड फायरिंग भी की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दो वाहन व दो लोगों को हिरासत में लेकर छानबीन में जुट गई। जानकारी के अनुसार सिद्धीकपुर गांव में जौनपुर शाहगंज मार्ग पर छात्रों के दो गुटों में बहस हो गई और दोनों पक्ष एक दूसरे पर हमलावर हों गये। करीब आधा दर्जन वाहनों पर सवार दोनों पक्षों ने एक गली में घुसकर ईट पत्थर चलाने लगे। जिससे जमकर ईट पत्थर चलने शुरू हो गए। इस दौरान दूसरा पक्ष कमजोर पड़ता देख अवैध असलहे से करीब आधा दर्जन राउंड फायरिंग कर दी। जिसके बाद पथराव कर रहे छात्रों का एक पक्ष भाग खड़ा हुआ। इस दौरान किसी ने सूचना पुलिस को दे दी गई थी, पुलिस मौके पर पहुंच गई और आरोपियो ने दो वाहन को छोड़कर भागने लगे। जिसमें एक स्कूटी एक मोटरसाइकिल मौके से छोड़कर पत्थर बाज फरार हो गए थे। पुलिस ने दो वाईक सहित दो संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। बताया जाता है सूचना लगते ही थानाध्यक्ष विनय प्रकाश सिंह व सीओ सदर मौके पर पहुंच गए। भारी संख्या में पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची। मौके पर खाली कारतूस भी बरामद होने की बात कही जा रही है।इस मामले अपराध निरीक्षक दिनेश कुमार सिंह का कहना है कि फायरिंग जैसा कोई मामला नहीं है, मारपीट की सूचना मिली थी पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची लेकिन आरोपी भाग गए थे सीसीटीबी फुटेज की मदद से उनकी पहचान की जाएगी।

◆ पुलिस ने दो वाहनों समेत दो संदिग्ध को लिया हिरासत में
◆ सीसी फुटेज की मदद से आरोपियों की पहचान करने में जुटी पुलिस

सीपीआर आकस्मिक हृदयाघात में जीवन रक्षकः डॉ.शिव शक्ति

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में हृदयाघात से होने वाली आकस्मिक मृत्यु दर को कम करने के उद्देश्य से सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यशाला अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय एवं मनोविज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम के मुख्य प्रशिक्षक और वाराणसी के राजकीय चिकित्सा अधिकारी डॉ.शिवशक्ति प्रसाद द्विवेदी ने मानव शरीर की डमी पर सीपीआर की लाइव डेमो देकर बताया कि कैसे अचानक हृदयगति रुकने (कार्डियक अरेस्ट) की स्थिति में यह तकनीक किसी व्यक्ति की जान बचा सकती है। उन्होंने प्रतिभागियों को बताया कि कार्डियक अरेस्ट में मरीज का पहला तीन मिनट गोल्डन टाइम होता है। यदि इस समय के भीतर सही प्रक्रिया से सीपीआर दिया जाए, तो मरीज की जान बचाई जा सकती है। प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति की सांसें और धड़कन रुक जाती हैं, तो सबसे पहले उसे किसी समतल और कठोर सतह पर लिटाया जाता है।

◆ सीपीआर प्रशिक्षण समय की मांगः प्रो वंदना सिंह

◆ पीयू में सीपीआर प्रशिक्षण कार्यशाला सम्पन्न

प्राथमिक उपचारकर्ता उसके सिर के पास घुटनों के बल बैठता है और उसकी नाक और मुंह की जांच करता है। इसके बाद अपने दोनों हाथों को छाती के बीच में रखकर एक मिनट में लगभग 100-120 बार जोर से प्रेस करना होता है। हर 30 प्रेस के बाद दो बार मुंह से सांस दी जाती है ।जिसे रेस्क्यू ब्रीदिंग कहते हैं। यह प्रक्रिया तब तक दोहराई जाती है जब तक पेशेवर मेडिकल सहायता नहीं मिल जाती या मरीज में चेतना नहीं लौटती। उन्होंने कहा कि सीपीआर आम नागरिक, छात्र, शिक्षक, पुलिसकर्मी, कर्मचारी हर किसी को सिखाना जरूरी है। अध्यक्षता कर रही विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि यह प्रशिक्षण न केवल एक तकनीकी ज्ञान है ।बल्कि जीवन बचाने की शक्ति है। हम इसे हर एक शिक्षक, विद्यार्थी, अधिकारी और कर्मचारी तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे।इस अवसर पर उमानाथ सिंह चिकित्सा महाविद्यालय के डॉ.अरविंद पटेल ने सीपीआर पर उद्बोधन उपस्थिति प्रतिभागियों की सीपीआर से सम्बंधित जिज्ञासाओं का समाधान किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव ने कहा कि सीपीआर एक बेसिक लाइफ स्किल है जिसे सभी को जानना चाहिए। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो प्रमोद कुमार यादव ने बताया गया कि प्रतिवर्ष लाखों लोग हृदयाघात के कारण अपनी जान गंवाते हैं, जबकि समय रहते सही ढंग से सीपीआर देने पर जीवन बचाया जा सकता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ.मनोज पांडे ने तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो अजय प्रताप सिंह ने किया।

कमरे में मिला साठ वर्षीय अप्रवासी का शव

मुंबई से आकर प्रेमराजपुर गांव की दलित बस्ती में किराए के कमरे में 15 साल से अकेले रहता था ओस्बान एंथोनी

सिकरारा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के प्रेमराजपुर गांव की दलित बस्ती में रविवार शाम एक घर के कमरे में साठ वर्षीय अप्रवासी का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मौके पर पुलिस व फोरेंसिक टीम पहुँचकर जांच के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। बताया जाता है कि उक्त गांव के अभयराज गौतम के बेटे के माध्यम ओस्बान एंथोनी विल्फ्रेड करवालो, 15 वर्ष से मुंबई आकर उसके घर मे किराए पर रहता था। सूचना पर सिकरारा थाना प्रभारी उदय प्रताप सिंह एवं हल्का इंचार्ज ओम प्रकाश यादव फोरेंसिक टीम भी घटनास्थल पर पहुंचकर जांच में जुट गई। पुलिस की माने तो उसकी मौत लगभग 72 घंटे पहले हुई है। मकान मालिक ने बताया कि मृतक से उनकी मुलाकात 15 वर्ष पहले वसई के विजय विहार कॉम्प्लेक्स में हुई थी। उसका कोई परिजन नहीं था। इसके बाद वह उनके साथ गांव आया और यहीं रहने लगा। करीब 30 साल का एग्रीमेंट कर उसने 2 लाख रुपये एकमुश्त किराया दिया था। मकान मालिक अभयराज ने बताया कि मृतक अक्सर 2-3 दिन तक कमरे से बाहर नहीं निकलता था। इस बार कमरे से दुर्गंध आने पर ऊपर जाकर देखा तो वह मृत पड़ा मिला। थाना प्रभारी ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया गया है। रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिक कार्यवाही की जाएगी।

तेज आवाज वाले डीजे और लाउडस्पीकर से परेशान होकर युवक ने पुलिस अधीक्षक को दिया शिकायती पत्र

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के मियापुर (थाना लाइन बाजार क्षेत्र) निवासी विरजू कुमार गुप्ता ने ध्वनि प्रदूषण (Noise Pollution) को लेकर पुलिस अधीक्षक को एक शिकायती पत्र सौंपा है। उन्होंने अपने पत्र में लिखा है कि उनके मोहल्ले में अक्सर डीजे, लाउडस्पीकर और साउंड सिस्टम का अत्यधिक उपयोग किया जाता है। जिसकी वजह से आसपास के लोगों को गंभीर परेशानी हो रही है। विरजू कुमार ने बताया कि वह एक वेब डेवलपर और ऑनलाइन वर्कर हैं तथा पूर्वांचल विश्वविद्यालय से कॉन्ट्रैक्ट बेस पर कार्य करते हैं। लगातार तेज आवाज से न केवल उनके कामकाज पर असर पड़ रहा है बल्कि परिवार के बुजुर्ग और बच्चों की सेहत भी प्रभावित हो रही है। उन्होंने यह भी लिखा कि तेज ध्वनि के कारण पढ़ाई करने वाले बच्चों, बीमार व्यक्तियों और सामान्य जनजीवन पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। पत्र में उल्लेख किया गया कि अक्सर धार्मिक आयोजनों, शादी-विवाह और अन्य कार्यक्रमों में बिना अनुमति के डीजे और लाउडस्पीकर देर रात तक बजते रहते हैं ।शिकायतकर्ता ने आईपीसी की धारा 268, 290 तथा ध्वनि प्रदूषण (नियंत्रण एवं विनियमन) नियम 2000 का हवाला देते हुए कहा है कि उच्चतम न्यायालय द्वारा भी रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक लाउडस्पीकर और डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से अपील की है कि ऐसे आयोजनों पर नियंत्रण किया जाए और बिना अनुमति बजाए जाने वाले डीजे तथा लाउडस्पीकर पर सख्त कार्रवाई की जाए।

चुनाव आयोग ने भेजा नोटिस, जौनपुर की सात पार्टियां सूची में शामिल

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र ने बताया कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29ए के अंतर्गत पंजीकृत उत्तर प्रदेश के 121 पंजीकृत, अमान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों में से कई दलों ने वर्ष 2019 से 2025 तक (छह वर्षों) किसी भी चुनाव में भाग नहीं लिया है।

भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा 11 अगस्त 2025 को जारी दिशा-निर्देशों के क्रम में अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश ने इन दलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

जौनपुर जिले की जिन पार्टियों को नोटिस भेजा गया है उनमें ◆ युवा जनक्रांति पार्टी, कस्बा केराकत, मोहल्ला शेखजादा द्वितीय। ◆ सम्पूर्ण समाज पार्टी, प्र.पो. गैरवाह, थाना सरपतहां, तहसील शाहगंज। ◆ महाकांति दल, ग्राम अवहदपुर, पोस्ट-कोईलारी, तहसील केराकत। ◆ भारतीय आवाम ताकत दल, ग्राम सुजनीडीह (रामपुर), पोस्ट सोहांसा, तहसील मछलीशहर। ◆ बहुजन हसरत पार्टी, ग्राम खरुवावा, पोस्ट कुवरपुर, तहसील मछलीशहर। ◆ आदर्शवादी पार्टी (लोकतांत्रिक), मौहल्ला चित्रसारी, सदर जौनपुर। ◆ पूर्वांचल क्रांति पार्टी, यादवगंज, पोस्ट सिकरारा।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ ने इन दलों को रजिस्टर्ड डाक द्वारा नोटिस भेज दिया है।

निदेर्शानुसार, संबंधित दलों के अध्यक्ष/महासचिव को अपना प्रत्यावेदन, हलफनामा और आवश्यक अभिलेख 21 अगस्त 2025 तक लखनऊ स्थित मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश (विकास भवन, जनपथ मार्केट) में उपलब्ध कराना होगा।

सुनवाई की तिथि 02 और 03 सितम्बर 2025 तय की गई है। यदि निर्धारित समय तक कोई जवाब नहीं दिया गया तो आयोग इसे चुप्पी मानेगा और ऐसे दलों को राजनीतिक दलों की सूची से हटाने का प्रस्ताव भारत निर्वाचन आयोग को भेज दिया जाएगा।

दिव्यांग बच्चों ने डॉन्स कर जीता सबका दिल

हर्षिता इंटरनेशनल दिव्यांग स्कूल बक्शा में हुआ आयोजन

बक्शा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर्षिता इंटरनेशनल दिव्यांग स्कूल बक्शा में दिव्यांग बच्चों के बीच झण्डा रोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया मुख्य अतिथि सिकन्दर गिरी रहे। जो वार्ड नंबर 46 से जिला पंचायत सदस्य के उम्मीदवार है ।विशिष्ट अतिथि के रूप में एडवोकेट रजनीश शुक्ला कलेक्ट्री डॉ विकास यादव बासुदेव हॉस्पिटल नईगंज, डॉ मिथिलेश मौर्या गोमती हॉस्पिटल मुरादगंज रहे। विशिष्ट अतिथियों ने झण्डा रोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। संस्थान द्वारा सभी अतिथियों का बैच लगाकर, तिरंगा दुपट्टा पहनाकर, माला पहनाकर स्वागत किया गया ।मानसिक दिव्यांग/मूकबधिर रोली, लक्ष्मी, आस्था, अभिषेक, शिवम्, आर्यन, दीपक, गोलू, अंश, ओम, लकी सरोज, आदि दिव्यांग बच्चों ने 20 राष्ट्रीय गीत पर सुन्दर डॉन्स किया और सबका दिल जीत लिया उपस्थित लोगों ने बच्चों को मिठाई खाने के लिए आर्थिक सहायता भी दी

मुख्य अतिथि सिकन्दर ने ने दिव्यांग बच्चों को हर सम्भव मदद करने का वादा किया और कार्यक्रम के लिए आर्थिक सहायता भी दिया एडवोकेट रजनीश शुक्ला ने अपना जन्म दिन दिव्यांग बच्चों के बीच केक काटकर मनाया। प्रबंधक विनोद कुमार माली ने बताया कि यह संस्थान दिव्यांग बच्चों के लिए निःशुल्क शिक्षण प्रशिक्षण भोजन कपड़ा स्वास्थ परिक्षण दिव्यांग प्रमाण पत्र व उपकरण निःशुल्क उपलब्ध कराता है ।कार्यक्रम का संचालन संस्था सहयोगी डॉ .प्रमोद कुमार सैनी ने किया कार्यक्रम समापन के बाद दिव्यांग बच्चे और उनके अभिभावक को भोजन कराया गया ।मौके पर उम्मीद संस्था से आशीष निषाद, राहुल प्रजापति शुभांशु जयसवाल आयुवा नेता मनीष सिंह, बीडीसी विशाल पांडेय, डॉ.एल के विश्वकर्मा, राम अवतार माली सुरेश शर्मा, मनोज शर्मा,सत्य प्रकाश दुबे, सरस्वती चौहान, दिव्यांश उपाध्याय, अंकित पांडेय, प्रमोद दुबे, अरुण मौर्या, मुन्ना, पवन अग्रहरि संतोष गुप्ता संतोष गुप्ता डिंपू आलोक सिंह अजय यादव मंटू शिल्पा गुप्ता, संस्थान स्टॉप प्रिंसिपल बेबी कुशवाहा, संदीप यादव, जितेन्द्र मौर्या,कोकिला मौर्या, सोनम यादव, सीबू मौर्या, मनोज माली, जिलेदार विश्वकर्मा मंजू प्रजापति, शिवम सैनी, व दिव्यांग बच्चे उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

भोजवाल समाज के एमएलसी ने सदन में उठाई श्री अन्न कला बोर्ड के गठन की मांग

◆ भोजवाल समाज ने जताया आभार

मुंगराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विधान परिषद सदस्य गोपाल अंजान भोजवाल ने उत्तर प्रदेश में माटी कला बोर्ड की तर्ज पर श्री अन्न कला बोर्ड के गठन को लेकर विधान परिषद सदन में आवाज को बुलंद कर मांग को उठाया ।सदन में सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए पांच सूत्रीय मांगों में उठाते हुए कहा कि आने वाले समय में उत्तर प्रदेश के अंदर अति पिछड़े जाति भोजवाल समाज की उत्थान के लिए श्री अन्न कला बोर्ड का गठन करना आवश्यक है ।इस बाबत भोजवाल समाज के संयोजक मुंगराबादशाहपुर निवासी इंजीनियर उमाशंकर भोजवाल ने एमएलसी गोपाल अंजान को पत्रक देकर मांग को सदन में उठाने का आग्रह किया था ।विधान परिषद सदस्य गोपाल अंजान भोजवाल ने सदन में श्री अन्न कला बोर्ड का गठन करना, भोजवाल सरनेम को प्रदेश सरकार की पिछड़ा वर्ग की सूची में शामिल करना, भोजवाल समाज के भूमिहीन एवं अति गरीब परिवारों को खेती योग्य भूमि का सरकारी पट्टा प्राथमिकता के आधार पर आवंटन करना,भोजवाल समाज को सर्वाधिक पिछड़े वर्ग में रखकर इसका विकास करना, भुर्जी की जातिगत जनगणना सरकार द्वारा करायी जानी चाहिए आदि मुद्दे को विधानसभा में उठाएं। उन्होंने सरकार से अपील कि विधान परिषद सदस्य गोपाल अंजान भोजवाल ने सदन में कहा कि देश के आजाद हुए 79 वर्ष बीत गए ।लेकिन अतिपिछड़ा भोजवाल समाज सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक रूप से आज भी वंचित है। संख्या के हिसाब से भोजवाल समाज को हिस्सेदारी और भागीदारी भी मिलनी चाहिए। उन्होंने सरकार से इन मांगों पर विचार करने और आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध किया। सदन में भोजवाल समाज की बात रखने के लिए भोजवाल समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरूण आजाद, संयोजक इंजीनियर उमाशंकर भोजवाल, रंजीत भोजवाल, कामेश्वर भोजवाल, विजय भोजवाल ने एम एल सी गोपाल अंजान भोजवाल का आभार जताया है।

जम्मू कश्मीर में कंस्ट्रक्शन कम्पनी में दुर्घटना में मृत क्रेशर आपरेटर के परिवार को राज्यमंत्री ने दिलाया 1638525 लाख रुपए

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सदर विधानसभा के अंतर्गत ग्राम एतमादपुर, खेतासराय के निवासी विकास पासवान जो जम्मू-कश्मीर राज्य के जिला सांबा विजयपुर में स्थित फर्म शिवालय कंस्ट्रक्शन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड में क्रेशर आपरेटर के पद पर कार्य कर रहे थे। जिनकी कम्पनी की लापरवाही के कारण 12 जुलाई 2024 को कम्पनी का कार्य करते समय दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। जिसकी एफ.आई.आर थाना विजयपुर जिला सांबा में दर्ज की गयी थी। लेकिन कम्पनी द्वारा मृतक के परिवार को किसी प्रकार की कोई आर्थिक मदद नहीं दी गई। प्रकरण संज्ञान में आने के उपरान्त मा0 राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चन्द्र यादव स्वयं जाकर परिवार से मिले और मृतक के प्रति संवेदना भी व्यक्त किया, और आर्थिक मदद का भरोसा भी दिलाया। राज्यमंत्री ने मृतक क्रेशर आपरेटर के बारे पूरी जानकारी ली, और एक पत्र जम्मू कश्मीर के राज्यपाल मनोज सिन्हा को लिखा और उनसे बात भी की, इसके साथ ही साथ श्रम विभाग के अधिकारीयो से भी बात कि और जल्द से जल्द मृतक के परिवार को आर्थिक मदद दिलाया जाने के निर्देश दिया। राज्यमंत्री का प्रयास सफल रहा, जिसके क्रम में 18 अगस्त 2025 को राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) ने मृतक क्रेशर आपरेटर विकास के घर ग्राम एतमादपुर, खेतासराय जाकर उनकी माता रामुंता देवी एवं पिता इंद्रजीत को कर्मचारी प्रतिकर अधिनियम के अंतर्गत क्षतिपूर्ति की धनराशि रुपया 16,38,525.00 (सोलह लाख अड़तीस हजार पांच सौ पच्चीस) का चेक एवं प्रमाण पत्र दिया। इसके उपरान्त राज्यमंत्री ने परिवार को हर सम्भव मदद करने का भरोसा भी दिलाया इस अवसर पर सहायक श्रम आयुक्त देवव्रत यादव, डा. रामसूरत बिंद, विनय मिश्रा, मनीष श्रीवास्तव, धर्मेन्द्र मिश्रा मौजूद रहे।

विश्वनाथ प्रताप सिंह बने नए शहर कोतवाल

रियाजुल हक/डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक डॉक्टर कौस्तुभ ने रविवार की देर शाम जिले की विभिन्न थानों पर तैनात 11 विभिन्न थाना प्रभारी के कार्यक्षेत्र को बदल दिया। इसी क्रम में जिले के जफराबाद थाने पर तैनात विश्वनाथ प्रताप सिंह को शहर कोतवाली की जिम्मेदारी सौंपी गई है। एक अनौपचारिक वार्ता में विश्वनाथ प्रताप सिंह ने बताया कि वह मऊ के रानीपुर के रहने वाले हैं। वाराणसी जनपद से उन्होंने अपनी शिक्षा दीक्षा हासिल की है। वह केंद्रीय विद्यालय के छात्र रहे हैं साथ ही में उन्होंने एल एल बी किया है। इससे पूर्व में वह जौनपुर के नेवढ़िया थाने के भी इंचार्ज रह चुके है। फिर उसके बाद वह सोनभद्र जिले में चले गए थे। 2013 के बैच के विश्वनाथ प्रताप सिंह बेहद ईमानदार प्रवृत्ति के माने जाते हैं। उन्होंने बताया कि उनके पिता जी आर्मी में थे उनके बड़े भाई डॉक्टर हैं। शहर कोतवाली क्षेत्र की कानून व्यवस्था को अक्षुण बनाए रखना ही उनकी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की है कि वह किसी भी माध्यम से उनके पास न पहुंचे जिसको जरूरत हो वह सीधे उनसे संपर्क करें। विश्वनाथ प्रताप सिंह ने लोगों को विश्वास दिलाया है कि उनके साथ किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होगी,निष्पक्ष कार्य होगा।

103 शिकायतों में 12 का हुआ निस्तारण

डीएम की अध्यक्षता और एसपी की उपस्थिति में बदलापुर के तहसील सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता और पुलिस अधीक्षक डा0 कौस्तुभ की उपस्थिति में तहसील बदलापुर के सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान रैभानीपुर के निवासी राममिलन के द्वारा जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि प्रार्थी अनुसूचित जाति का व्यक्ति है। उनकी विगत 08 मई 2024 को आग लगने से आवासीय छप्पर व एक भैस व 7 बकरी और 3 कुन्तल गेंहू, भूसा व अन्य खाद्य सामग्री जल कर राख हो गयी। उन्होंने बताया कि अभी तक सहायता राशि प्राप्त नही हुई है। सवंसा महाराजगंज बदलापुर निवासी मुन्नी देवी पत्नी कल्लु ने प्रार्थना पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि 23 अगस्त 2024 को प्रार्थी के छप्पर में आग लग जाने से घर का सारा सामान जल गया। कई बार प्रार्थना पत्र देने के बावजूद भी सहायता राशि नही मिला। उक्त प्रकरण के संज्ञान में आने पर जिलाधिकारी के द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए आपदा कानूनगो को प्रतिकूल प्रविष्टि और उप जिलाधिकारी और तहसीलदार को स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिये। उन्होंने अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व को भी निर्देशित किया कि आपदा रजिस्टर का निरीक्षण करें और 25 अगस्त तक आख्या दे कि आपदा के प्रकरण में सहायता राशि देने में देरी किस कारण से हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि आपदा जैसे संवेदनशील प्रकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नही की जाएगी। बबुरा निवासी शान्ति देवी ने प्रार्थना पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि चक, चकपरे, आबादी में हिस्सा दिलाया जाए जिस पर जिलाधिकारी ने नायब तहसीलदार और एसएचओ बदलापुर को संयुक्त रूप से और दोनो पक्षों को सुनते हुए समस्या का निस्तारण करने के निर्देश दिये। शाहपुर निवासी रामकुमार ने अवगत कराया कि उन्होंने कृषि कार्य हेतु कनेक्शन कराया था और बिल का भुगतान नियमित रूप से किया जा रहा था लेकिन उनका बिल अधिक आ गया है जिस पर जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के अधिकारियो को बिल का समायोजन कराकर प्रकरण को समाप्त करने के निर्देश दिये। समाधान दिवस में पट्टे की सीमांकन के संदर्भ में आये आर्थिक रूप से कमजोर फरियादी रामसकल निवासी ग्राम बदलापुर को जिलाधिकारी के द्वारा नया शर्ट दिलवाया गया।

इसी क्रम में जिलाधिकारी ने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस पर आने वाली शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। जिलाधिकारी के समक्ष कुल 103 शिकायतें प्राप्त हुयी जिसमें से 12 का मौके पर निस्तारण के निर्देश दिये। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह, उप जिलाधिकारी योगिता सिंह, बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे। इसी क्रम में अन्य तहसीलों में भी सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।

पीहू खरे की गणेश वंदना ने मोहा मन, विधायक सहित अतिथियों ने किया सम्मानित

श्री गणपति पूजा महासमिति ट्रस्ट का 22वां पुरस्कार वितरण एवं शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर श्री गणपति पूजा महासमिति ट्रस्ट द्वारा आयोजित 22वां पुरस्कार वितरण एवं शपथ ग्रहण समारोह का शुभारंभ विधायक रागिनी सोनकर, वरिष्ठ भाजपा नेता ज्ञान प्रकाश सिंह, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. क्षितिज शर्मा एवं अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा गणेश प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया ।कार्यक्रम की शुरूआत पीहू खरे द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना के मनमोहक नृत्य से हुई, जिसने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी शानदार प्रस्तुति पर विधायक रागिनी सोनकर, भाजपा नेता ज्ञान प्रकाश सिंह, क्षितिज शर्मा एवं पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष दिनेश टंडन ने पीहू खरे को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

मेडिकल कालेज, जौनपुर की शिखा सिंह एवं रिया तिवारी ने लहराया परचम, शोध के लिए सीएमआर STS प्रोजेक्ट 2025 में चयन

जौनपुर((उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के कुशल नेतृत्व में कालेज की एम.बी.बी.एस. छात्राओं का क्वटफरळर 2025 के शोध में चयन। प्रधानाचार्य प्रो.डा.रुचिरा सेठी ने सर्वप्रथम कम्युनिटी मेडिसिन विभाग, प्रोजेक्टगाइड एवं छात्राओं को शुभकामानाएं एवं बधाई दी तपश्चात उन्होने कहां कि मुझे अत्यंत हर्ष है कि हमारे महाविद्यालय की छात्राएँ शिखा सिंह एवं रिया तिवारी का चयन भारतीय अनुसंधान परिषद (क्वटफ) के शॉर्ट टर्म स्टूडेंटशिप (रळर) प्रोजेक्ट-2025 के लिए हुआ है। यह उपलब्धि न केवल इन दोनों छात्राओं के परिश्रम तथा अनुसंधान में गहरी रूचि एवं निरंतर लगन का परिणाम है ।बल्कि हमारे संस्थान की गुणवत्ता और शोध संस्कृति का भी परिचायक है। आईसीएमआर-एसटीएस जैसे राष्ट्रीय स्तर के प्रतिस्पर्धी मंच पर चयनित होना अत्यंत गौरव की बात है। इससे हमारे विद्यार्थियों को शोध पद्धतियों, वैज्ञानिक लेखन, डाटा विश्लेषण और चिकित्सा विज्ञान की जटिलताओं को गहराई से समझने का अवसर प्राप्त होगा। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से शिखा सिंह और रिया तिवारी को इस सफलता के लिए हार्दिक बधाई दी और कहा कि यह असवसर उन्हें एक उत्कृष्ट शोधकर्ता एवं संवेदनशील चिकित्सक बनने की दिशा में प्रेरित करेगा। साथ में संपूर्ण विभाग की ओर से यह विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी कालेज के विद्यार्थी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संस्थान का नाम रोशन करते रहेंगे।डा० मुदित चौहान, विभागध्यक्ष कम्युनिटी मेडिसिन विभाग ने बताया कि मेडिकल कालेज की शिखा सिंह, एम०बी०बी०एस० बैच, 2024 की छात्रा है और उनके प्रोजेक्ट में डा० पूजा पाठक, सहायक आचार्य, कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के द्वारा गाइड की भूमिका निभाई गयी है। तथा रिया तिवारी एम०बी०बी०एस० बैच, 2024 की छात्रा है और उनके प्रोजेक्ट में डा० नवीन सिंह, सहायक आचार्य, कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के द्वारा गाइड के रूप अपना सहयोग प्रदान किया गया हैं। मेडिकल कालेज के दो प्रोजेक्ट को रिसर्च के लिए स्वीकृति मिली है वह दोनो प्रोजेक्ट कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के है। यह भी डा० चौहान द्वारा बताया गया कि आने वाले समय में और बच्चो को प्रोत्साहित करके रळर प्रोजेक्ट के लिए बढ़ावा दिया जायेगा ताकि हमारे मेडिकल कालेज में शोध कार्य उन्नति हो सके। इस अवसर पर डीन एकेडमिक, प्रो० डा० तबस्सुम यासमिन, उप प्रधनाचार्य, प्रो० डा० आशीष यादव, मुख्य चिकित्सा अधीक, प्रो० डा० ए०ए० जाफरी, चिकित्सा अधीक्षक, डा० विनोद कुमार, परीक्षा नियंत्रक, डा० ले०क०सी०बी०एस० पटेल तथा डा० तुमुल नन्दन, डा० अनिल, डा० तम्मा राजा राव एवं समस्त विभाग के विभागाध्यक्ष, सकांय सदस्य व अन्य चिकित्सको द्वारा सामूहिक रूप से प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि आप दोनो अपने शोध कार्य से चिकित्सा जगत में नयी दिशा दें और आने वाले समय में समाज की सेवा में अग्रणी बनें। महाविद्यालय परिवार का आशीर्वाद सदैव आपके साथ है। संस्थान सदैव छात्रों को शोध कार्यों में प्रोत्साहित करता रहा है। यह चयन आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरित करेगा कि वे केवल चिकित्सक ही नहीं बल्कि उत्कृष्ट शोधकर्ता भी बनें। वे चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ प्राप्त करें और समाज के कल्याण में योगदान दें।

चोलापुर में रोड एक्सीडेंट में एक युवक की मौत,दूसरा गंभीर रूप से घायल

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के चोलापुर अंतर्गत ग्राम सभा नेहिया में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। अज्ञात वाहन की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान राजेंद्र पटेल (50) के रूप में हुई है। वह नेहिया (बन) के निवासी थे। घटना उस समय हुई जब वह बाटी-चोखा की पार्टी के बाद पान खाने के लिए स्थानीय बाजार से लौट रहे थे। उनके साथ राजकुमार पटेल (32) भी था, जो इस हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी। पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर घायल राजकुमार को एम्बुलेंस से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें शहर के अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने राजेंद्र पटेल के शव को कब्जे में लेकर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। मृतक तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मृतक की पत्नी मनोरमा का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 10 वर्ष की कैद, 15 हजार अर्थदंड

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। अपर सत्र न्यायाधीश पाक्सो उमेश कुमार की अदालत ने 8 वर्ष पूर्व नाबालिग के अपहरण व दुष्कर्म के मामले में दोषसिद्ध पाते हुए आरोपी युवक को 10 वर्ष के सश्रम करावास एवं 15000 रूपए अर्थदंड से दंडित किया।अभियोजन कथानक के अनुसार वादिनी ने लाइन बाजार थाने में अभियोग पंजीकृत करवाया कि उसकी 16 वर्षीय पुत्री को पड़ोसी भरत पुत्र वंशराज अपनी भाभी मालती व प्रमिला तथा सोमारू के साथ साजिश करके बहला- फुसलाकर 3 मई 2017 को भोर में 5:00 बजे भगा ले गए। वह साथ में गहना वह बैंक का पासबुक भी ले गई है।पुलिस ने विवेचना करके आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। पीड़िता ने अपने बयान में बताया कि वह 18 साल से अधिक उम्र की थी उसने अपनी सहमति से आरोपी से शादी की थी और पति-पत्नी के रूप में रह रही है उनके दो बच्चे भी हैं।पीड़िता के पक्षद्रोही होने के बावजूद अदालत ने आरोपी भरत को अपहरण व दुष्कर्म के मामले में दोषसिद्ध पाते हुए 10 वर्ष के सश्रम कारावास व 15000 रूपए अर्थदंड से दंडित किया।

इन्फिनिक्स जीटी 30 5जी प्लस नया गेमिंग फोन हुआ लॉन्च

पटना(उत्तरशक्ति)। इन्फिनिक्स ने अपना नया गेमिंग स्मार्टफोन जीटी 30 5जी प्लस भारत में लॉन्च कर दिया है। इसकी विशेष बिक्री 14 अगस्त से फ्लिपकार्ट पर शुरू हो गई है। लॉन्च ऑफर के तहत 8जीबी रैम प्लस 128जीबी स्टोरेज वेरिएंट रुपये 17,999 और 8जीबी रैम प्लस 256जीबी स्टोरेज वेरिएंट रुपये 19,499 में उपलब्ध है। आईसीआईसीआई बैंक कार्ड पर रुपये 1500 तक की छूट या एक्सचेंज बोनस का लाभ भी दिया जा रहा है। यह ऑफर सीमित समय और स्टॉक तक ही मान्य रहेगा। जीटी 30 5जी प्लस में गेमिंग के लिए इस श्रेणी का पहला जीटी कंधा ट्रिगर, क्राफ्टन द्वारा प्रमाणित 90 एफपीएस बीजीएमआई समर्थन, और मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7400 प्रोसेसर है, जिसका एंटूटू स्कोर 779000 से अधिक है। फोन में 16 तक आभासी रैम का समर्थन, 6-परत वाष्प कक्ष कूलिंग और 55000 ?मएएच बैटरी दी गई है, जो 45वाढ तेज चार्जिंग और बायपास चार्जिंग को समर्थन देती है। इसमें 6.78 इंच की 1.5कए एएमओएलईडी स्क्रीन है, जो 144 ?मएच ताजा दर और 4500निट्स अधिकतम ब्राइटनेस के साथ आती है। साइबर मेका 2.0 डिजाइन के साथ एलईडी लाइटिंग, और तीन रंग विकल्प साइबर ग्रीन, पल्स ब्लू और ब्लेड व्हाइट इसे आकर्षक बनाते हैं। फोन एंड्रॉयड 15 पर आधारित एक्सओएस 15 पर चलता है, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित फीचर्स, 2 प्रमुख सॉफ़्टवेयर अपडेट, और 3 वर्ष तक सुरक्षा पैच मिलते हैं। कैमरा सेटअप में 64 एमपी सोनी डुअल कैमरा, 13 एमपी फ्रंट कैमरा,और 4के वीडियो रिकॉर्डिंग का समर्थन शामिल है। यह स्मार्टफोन फ्लिपकार्ट, ब्रांड की आधिकारिक वेबसाइट, और चयनित रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध है।

दिनदहाड़े सराफा कारोबारी को चाकू से गला काट कर हत्या

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। मऊआइमा में दिनदहाड़े सराफा कारोबारी को चाकू से गला काट कर हत्या क्रासर- नहर में शव फेंका, एक को ग्रामीणों ने दौडा कर पकडा, मुकदमा दर्ज हरखपुर। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम मानी उमरपुर रमना (कोहरान) परवलपुर निवासी अमन कुमार सोनी 20 वर्ष पुत्र अजय कुमार सोनी ग्राम बाराडीह में सराफा की दुकान किए हुए है। रविवार को ग्यारह बजे के करीब वह बाइक से दुकान जा रहा था। बताया गया है कि अमन कुमार सोनी जैसे कलुआपुर और हरखपुर स्थित नहर पुलिया के पास पहुंचा पहले से घात लगाकर बैठे तीन युवकों ने चाकुओं से गला काट कर हत्या कर शव नहर में फेंक दिए। बताते हैं कि यह नजारा देख कर ग्रामीण दौडे तभी दो बदमाश भाग निकले जबकि कत्ल के एक आरोपी शुभम पटेल पुत्र राम सेवक को ग्रामीणों ने पकड कर पुलिस को सौंप दिए। पुलिस ने नहर में कूद कर अमन कुमार सोनी के शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मृतक के पिता अजय कुमार सोनी पुत्र स्वर्गीय मेवा लाल ने मऊआइमा थाने में गिरफ्तार हत्यारोपी शुभम कुमार पटेल पुत्र राम सेवक पटेल तथा प्रेम कुमार पटेल पुत्र राम खेलावन, देवेन्द्र कुमार पटेल पुत्र लालता प्रसाद पटेल निवासीगण ग्राम बराडीह थाना मऊआइमा के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। पुलिस गिरफ्त में आए शुभम पटेल से पूछताछ कर रही है। बताया गया है मृतक अमन कुमार सोनी अपने माता, पिता का एकलौता बेटा था।छोटी बहन नेहा सोनी है। अमन की मौत पर माता संजू देवी छोटी बहन नेहा सोनी पिता अजय कुमार का रो रो कर बुरा हाल है। अमन कुमार सोनी अपने माता संजू देवी और पिता अजय कुमार सोनी का एकलौता सन्तान था। उससे छोटी बहन नेहा सोनी है।सभी का रो रो कर बुरा हाल है। मृतक अमन कुमार सोनी अविवाहित था।पिता ठेले पर चना बेचते हैं।

सड़क नहीं बनी तो विरोध में निकालेंगे भीख यात्रा

निजामाबाद। यह शिवली से निजामाबाद तक निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। निजामाबाद से शिवली और लाहीडीह से माहुल तक की बदहाल सड़कों के नवीनीकरण की मांग की। वक्ताओं ने कहा कि आजमगढ़-बेलवाई मार्ग के चौड़ीकरण की मांग को लेकर सरकार और जनप्रतिनिधियों का ध्यान आकर्षित करना था। सड़कों की स्थिति इतनी खराब है कि मार्ग पर हजारों गड्ढे हैं। बारिश के मौसम में हालात और भी बदतर हो जाते हैं। सड़कों की पटरियां क्षतिग्रस्त हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। पदयात्रा के दौरान शिवली, रानीपुर, अल्लीपुर, बेगपुर, शेरपुर और निजामाबाद में नुक्कड़ सभाएं की गईं, जहां लोगों ने समस्याएं रखीं। मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. संदीप पांडेय ने कहा कि सड़कें इसलिए नहीं बन रहीं क्योंकि विधायक, सांसद और विभागों ने जनता की चिंता छोड़ दी है। बड़े हाईवे में जब कमीशन की बंदरबांट हो रही हो, तो गांव की सड़कों की किसे फिक्र है?

अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस यूनियन द्वारा आक्रोश सभा का आयोजन

मुंबई। मलाड मुंबई में सफाई कर्मचारियों की भव्य आक्रोश सभा का आयोजन किया गया। सभा में अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस की ओर से ठेकेदारी प्रथा हटाव, सफाई कामगार नौकरी बचाव को लेकर आवाज बुलंद की गई। इस दौरान हजारों सफाई कामगारों द्वारा मनपा को सख्त चेतावनी दी गई।

अखिल भारतीय सफाई कामगार कांग्रेस यूनियन ने इस सभा में मनपा के ठेका प्रथा की प्रति जलाकर खुलेआम विरोध जताया। बता दे कि सर्वोच्च न्यायालय के 1995 के आदेश और महाराष्ट्र सरकार के स्पष्ट निर्णय के बावजूद, मनपा सफाई कार्य में ठेकेदारों का उपयोग कर रही है। ठेका प्रथा तत्काल रद्द किया जाए। और मुंबई मनपा के सभी 25 विभागों में सफाई कर्मचारियों की भर्ती किए जाने की मांग की गई। इसके अलावा चेंबूर माहुल गांव के सफाई कर्मचारियों को बिना पैसे लिए मकानों का मालिकाना हक दिया जाए। सफाई कर्मचारियों की इस आक्रोश रैली का नेतृत्व राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंदभाई परमार, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र शर्मा, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष राजेश टा केकर, राष्ट्रीय सचिव एस. लीना डिसूजा , महाराष्ट्र अध्यक्ष प्रताप निदाने , मुंबई अध्यक्ष एडवोकेट रवि गवली, मुंबई उपाध्यक्ष नवीनचंद्र मकवाना, जीतूभाई रोज, जयसिंह परमार, मनीषाताई खाखड़िया, और रघुनाथ जाधव गिरधरभाई सापरिया, पंकजभाई, सोलंकी विलास दिवेकर, .जितेंद्र रेवार , अभिजीत परब.नरेश परमार, दिलीप गोसावी,अरुण मिश्रा ने किया। सभी वक्ताओं ने मुंबई महानगर पालिका में सफाई कामगारों की ठेका प्रथा बंद करने के लिए आवाज बुलंद की। सभा में महानगर पालिका के आयुक्त (आईएएस) भूषण गगरानी और महाराष्ट्र सरकार पर निशाना साधा गया। सभा में स्पष्ट चेतावनी दी गई–अगर मांगें नहीं मानी गईं, तो पूरी मुंबई में ठेका प्रथा के खिलाफ संघर्ष छेड़ा जाएगा। यह लड़ाई सिर्फ.हमारे पेट की नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की है। बता दें कि अखिल भारतीय सफाई कामगार कांग्रेस यूनियन (60) के अध्यक्ष, दलित मित्र, कामगार नेता गोविंदभाई परमार सफाई कर्मचारियों को न्याय दिलाने के लिए जी-जान से जुटे हैं।

आजादी का सम्मान, भविष्य की प्रेरणा : मैटर का राइट टू चार्जिंग संकल्प

मुंबई। देश आजादी के 79वें पर्व को आजादी का सम्मान, भविष्य की प्रेरणा थीम के साथ मना रहा है, और इसी अवसर पर देश की अग्रणी इलेक्ट्रिक वाहन और ऊर्जा समाधान कंपनी मैटर ने सफर की आजादी, चार्जिंग की आजादी और स्वच्छ भविष्य चुनने की आजादी को मजबूत करने की पहल की है। राष्ट्रीय मिशन के साथ कदम मिलाते हुए मैटर ने मैटर एनर्जी फास्ट चार्ज नेटवर्क लॉन्च किया है और टू चार्जिंग यानी चार्जिंग का अधिकार देने का संकल्प लिया है। इसके तहत चरणबद्ध तरीके से देशभर में मैटर एनर्जी चार्ज हब्स लगाए जाएंगे और हर दोपहिया पार्किंग स्पॉट पर स्लो और फास्ट चार्जिंग की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए जोरदार अभियान चलाया जाएगा। इस पहल का मुख्य आकर्षण है मैटर का खुद डिजाइन और तैयार किया हुआ 3 किलोवाट फास्ट चार्जर, जो मैटर एरा बाइक को 0% से 80% तक सिर्फ 90 मिनट में चार्ज कर देता है। यह चार्जर पूरी तरह मैटरवर्स ऐप से कनेक्टेड है, जिससे राइडर को रियल-टाइम लोकेशन, चार्जिंग की उपलब्धता और लाइव स्टेटस की जानकारी आसानी से मिलती है। शुरूआती चरण में देशभर के मैटर एक्सपीरियंस हब्स पर सभी मैटर एरा राइडर्स को फ्री चार्जिंग की सुविधा दी जाएगी, ताकि राइट टू चार्जिंग पहले दिन से हकीकत बन सके।

राइट टू चार्जिंग मिशन के तहत मैटर की प्रमुख पहलें:

रिहायशी सोसाइटी, पब्लिक पार्किंग और कमर्शियल हब्स में स्लो और फास्ट चार्जर्स वाले चार्ज हब्स लगाना। हर दोपहिया पार्किंग लोकेशन पर चार्जिंग प्वाइंट अनिवार्य करने के लिए प्रयास। मैटर राइडर्स के लिए घर, पब्लिक एरिया और कॉर्पोरेट ऑफिस में ऑन-डिमांड फास्ट चार्जर इंस्टालेशन। सभी मैटर डीलरशिप पर फास्ट चार्जिंग सुविधा।

पार्टनर चार्जिंग नेटवर्क को मैटर एनर्जी चार्ज नेटवर्क और मैटरवर्स ऐप से जोड़कर रियल-टाइम जानकारी उपलब्ध कराना। मैटर के फाउंडर और ग्रुप सीईओ मोहाल लालभाई ने कहा,जब भारत अपनी 79वीं आजादी का जश्न मना रहा है, हमें यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारे राइडर्स को स्वच्छ मोबिलिटी चुनने की पूरी आजादी मिले। हमारा राइट टू चार्जिंग आंदोलन, आजादी का सम्मान, भविष्य की प्रेरणा के साथ तालमेल में, ऊर्जा तक पहुंच को सार्वभौमिक, किफायती और भविष्य के लिए तैयार बनाने का संकल्प है। तकनीक, जागरूकता और बुनियादी ढांचे का मेल करके मैटर देश को टिकाऊ मोबिलिटी की दिशा में तेजी से आगे बढ़ा रहा है, ताकि आजादी की विरासत को सम्मान देते हुए स्वच्छ और हरित भविष्य की प्रेरणा दी जा सके।

जौनपुर में घरेलू कलह में मां ने तीन मासूमों संग खाया विषाक्त पदार्थ एक की मौत, तीन लोगों की हालत गंभीर

-विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कभी कभी घरेलू कलह बहुत बड़े कदम उठाने पर मजबूर कर देता है। कुछ ऐसा ही मामला कोतवाली शाहगंज क्षेत्र के एक गॉव में हुआ जिससे पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गयी। जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सबरहद निवासी विवाहिता 32 वर्षीय सविता पत्नी मोनू सोमवार को किसी बात से नाराज होकर कीटनाशक जहर खा लिया और साथ ही साथ अपने 8 वर्षीय सत्या] 6 वर्षीय शिवम और 8 माह का शिवांश को भी पानी मे कीटनाशक डालकर पिला दिया। जिससे मौके पर चारों की तबियत बिगड़ने लगी।परिजनो को जानकारी होने पर सभी को नगर के एक निजी नर्सिंग होम में उपचार हेतू भर्ती कराया गया। जहां पर चिकित्सकों ने शिवम को हालत नाजुक देखते हुए रेफर कर दिया।परिजन शिवम को किसी दूसरे अस्पताल में पहुंचते तब तक रास्ते मे ही उसकी मौत हो गयी।परिजन वहीं रास्ते से शव को घर ले कर चले गए। जबकि माँ सविता और उसके और दोनों बच्चे सत्या और शिवांश की हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है। सूत्रों की माने तो सविता का पति मोनू बंगलौर में रहकर मजदूरी का काम करता है।और फोन पर उसका कुछ कहा सुनी हुई थी।वहीं दूसरी तरफ अस्पताल पहुंचे सविता के मायके वालों ने आरोप लगाया की सविता की सास और ससुर आये दिन किसी न किसी बात को लेकर प्रताड़ित करते थे। जिससे तंग आकर सविता ने ऐसा कठोर कदम उठाया। वहीं आम जनों में चर्चा है की मामला कुछ भी हो बच्चों को जहर खिलाना कहीं से भी ठीक नही है। उसकी ममता पर भी लोग सवाल उठा रहे हैं। वहीं इस मामले में प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र सिंह ने पूछने पर उन्होंने कहा की अभी तक कोई तहरीर नही मिली है।मृतक शिवम के शव को पोस्टमार्टम हेतू जिला अस्पताल भेजा जा रहा है।

हमारे पर्व और त्योहार हमारी संस्कृति के प्रतीक हैं: सिद्धार्थ कांबले

मुंबई। चांदीवली के तूंगा गांव में चांदीवली विधानसभा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी पुरस्कृत तूंगा गांव संघर्ष समिति की ओर से आयोजित दही हंडी उत्सव में मुंबई राकांपा के कार्याध्यक्ष सिद्धार्थ टी. कांबले ने कहा कि हमारे पर्व और त्योहार हमारी संस्कृति के प्रतीक हैं। हमें अपने सभी त्योहारों को बढ़ चढ़कर मनाना चाहिए। बता दें कि चांदीवली विधानसभा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह की ओर से हर साल की भांति इस बार भी तूंगा गांव साकी विहार रोड पर स्थित ऑक्सफोर्ड चैंबर गेट के पास तूंगा गांव की सम्मानित दही हंडी का आयोजन किया गया। इस दौरान दही हंडी फोड़ने वाले गोविंदा पथको को राकांपा मुंबई प्रदेश के कार्याध्यक्ष सिद्धार्थ टी कांबले द्वारा मंच पर सम्मानित किया। गोविंदा पथको के सम्मान समारोह के अवसर पर प्रमुख रूप से जाने माने आर टी आई एक्टिविस्ट अनिल गलगली, सुरजन सिंह सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे। मेहमानों का स्वागत राकांपा चांदीवली विधानसभा के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह ने किया।

एनडीए द्वारा आयोजित हुआ जन संवाद, बिहार में हुई विकास की वारिश

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज। ग्रामीण कार्य विभाग बिहार सरकार द्वारा जन संवाद कार्यक्रम सिवान जिला के गोरेयाकोठी विधानसभा क्षेत्र के कर्म योगी नारायण महाविद्यालय परिसर में आयोजित किया गया। जिसका उद्घाटन ग्रामीण विकास मंत्री अशोक चौधरी व गणमान्य लोगों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया। ग्रामीण कार्य विभाग के माननीय मंत्री अशोक चौधरी जी बिहार सरकार के हेलीकॉप्टर से गोरिया कोठी कर्म योगी नारायण डिग्री कॉलेज की परिसर में पहुंचे थे। मंत्री अशोक चौधरी हेलीकॉप्टर से उतरकर सीधे नारायण बाबू कृष्णकांत बाबू तथा भूपेंद्र नारायण सिंह उर्फ चूनू बाबू के कालेज कैम्पस स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपना श्रद्धा सुमन

अर्पित किया। वही सभा मंच ग्रामीण कार्य विभाग सरकारी कार्यक्रम जिसमें ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा निर्मित व चयनित सड़कों का उद्घाटन व शिलान्यास मंच से रिमोट से किया गया। इस अवसर पर ग्रामीण कार्य विभाग के अधिकारियों ने मंत्री अशोक चौधरी का स्वागत अंग वस्त्र और पुष्पगुछ देकर सम्मानित किया।

वही गोरेयाकोठी विधानसभा के विधायक देवेश कांत सिंह भी गोरेयाकोठी के ऐतिहासिक कर्म योगी नारायण महाविद्यालय परिसर में मंत्री अशोक चौधरी को अंग वस्त्र और प्रतीक चिन्ह सहित पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। उद्घाटन/शिलान्यास व जन संवाद कार्यक्रम में ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी ने बिहार के एनडीए सरकार के विकास उपलब्धियों पर चर्चा करते हुए। 2005 के बाद बदला बिहार एनडीए गठबंधन सरकार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व की चर्चा करते हुए। शिक्षा, कृषि स्वास्थ्य सड़क पुल पुलिया शहरी विकास उन्मूलन मनरेगा तथा पंचायतों में 50% महिला आरक्षण का जिक्र करते हुए कहा कि समाज के दबले कुचले लोगों के विकास के विषय में कसीदे गढ़े। कहा प्रधानमंत्री शनरेन्द्र मोदी तथा सीएम नीतीश कुमार ने 2005 में एनडीए गठबंधन सरकार ने नीतीश कुमार के नेतृत्व में न्याय के साथ विकास के 20 साल बेमिसाल और पीएम नरेन्द्र मोदी जी के केंद्रीय सरकार के 11 साल में बेमिसाल कार्यों का विस्तार पूर्वक जिक्र किया। कहा व्यक्ति के किए हुए। अच्छे कार्य उसका इतिहास बनता है। वो व्यक्ति रहे या ना रहे। आना -जाना तो जीवन में लगा ही रहता है। कार्यक्रम में सिवान के पूर्व सांसद के पति सह जादू नेता डॉ अजय कुमार सिंह, जदयू के जिला अध्यक्ष चंद्र केतु सिंह, बीजेपी के जिला अध्यक्ष राहुल कुमार तिवारी, भाजपा जिला संगठन पूर्वी क्षेत्र के जिला अध्यक्ष रंजीत कुमार, पूर्वी के जिला प्रवक्ता दिलीप कुमार सिंह, अशोक कुमार सिंह, ई अखिलंदर कुमार सिंह, मनिंदर सिंह, मोहन कुमार पद्माकर आदि गणमान्य लोगों के अलावा भारी संख्या में जनता जनार्दन उपस्थित रहे।

तिरंगा यात्रा के दौरान डीजे रोकने पर दो पक्ष आमने सामने

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। मांडा थाना क्षेत्र के कूदर गांव में एक धर्मस्थल के सामने शुक्रवार दोपहर तिरंगा यात्रा के दौरान डीजे रोकने को लेकर दो पक्ष आमने सामने आ गए। इस दौरान कहासुनी, हाथापाई, डीजे व मोबाइल तोड़ने का आरोप लगा। हंगामे के बीच एक व्यक्ति का मोबाइल भी गायब हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को शांत कराया। डीजे संचालक ने 11 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। इनमें से दो को गिरफ्तार कर लिया गया है। सोनकर नवयुवक कमेटी की ओर से 15 अगस्त को पियरी से हाटा तक तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया था। दोपहर करीब एक बजे पियरी से यात्रा शुरू हुई, जिसमें कोरांव थाना क्षेत्र के रत्यौरा गांव निवासी विकास कुमार हालपता थाना मांडा गांव पियरी का डीजे भी शामिल था। करीब 15 मिनट बाद यात्रा कूदर गांव में एक धर्मस्थल के पास पहुंची तो दूसरे समुदाय के कुछ लोगों ने डीजे बजाने से मना कर दिया।

महाराजगंज में मौनिया बाबा मेला को मिला राजकीय दर्जा, 22,23 अगस्त मेला शुरू

-वकील प्रसाद

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में उत्तर बिहार के प्रसिद्ध धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन श्री मौनिया बाबा महावीरी झंडा मेले को बिहार सरकार ने राजकीय दर्जा प्रदान कर दिया है। यह ऐतिहासिक फैसला 101 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद आया है, जिसकी घोषणा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जनवरी 2025 में अपनी प्रगति यात्रा के दौरान की थी। कैबिनेट की मंजूरी के बाद अब मेला सरकारी स्तर पर आयोजित होगा, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। इस वर्ष मेला 22 अगस्त की रात से शुरू होकर 23 अगस्त को मुख्य रूप से मनाया जाएगा, और पूरे एक महीने तक चलेगा। मौनिया बाबा मेला का इतिहास 1923 से जुड़ा है, जब गुलामी के दौर में इसे शुरू किया

गया था। यह मेला गौ रक्षक सिद्ध संत मौनिया बाबा की समाधि स्थल पर लगता है, जिनकी महिमा देश-विदेश में फैली हुई है। संत मौनिया बाबा को गायों की रक्षा का प्रतीक माना जाता है, और भक्त यहां गायों के लिए मन्नत मांगते हैं तथा दूध-दही चढ़ाते हैं। मेला की शुरूआत नागा जी के मठ के महंत महादेव दास जी महाराज और स्वामी कृपालानंद जी महाराज के नेतृत्व में हुई थी, जो स्वतंत्रता संग्राम से भी जुड़ी थी। हर साल भादो महीने की अमावस्या पर लगने वाले इस मेले में लाखों श्रद्धालु बिहार और नेपाल से आते हैं, जहां भक्ति, आस्था और एकता का अनोखा संगम देखने को मिलता है। मेले में 21 महावीरी अखाड़े भाग लेते हैं, जैसे बंगरा अखाड़ा, पसनौली, नवलपुर कापियां, रामापाली, रुकुंदी पुर, उज्जाय, सवान पकवालिया, समेत अन्य। ये अखाड़े अपनी दर्शनीय प्रस्तुतियों से लोगों को मंत्रमुग्ध करते हैं। मेला लकड़ी और लोहे के सामानों के लिए मशहूर है, जहां आलमारी, संदूक, ओखल, मूसल जैसी वस्तुओं की खरीद-बिक्री होती है। इसके अलावा, पेड़-पौधों की नर्सरी, कोलकाता, हाजीपुर और मुजफ्फरपुर से आए व्यापारियों की दुकानें एक महीने तक लगी रहती हैं। मनोरंजन के लिए झूला, सर्कस, मौत का कुआं, ब्रेक डांस, ड्रैगन और मीना बाजार जैसे आकर्षण भी उपलब्ध होते हैं, जो विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों को लुभाते हैं। क्षेत्रीय कलाकार भोजपुरी गीतों से माहौल को जीवंत बनाते हैं।

सरकार की घोषणा सीवान जिले के लिए 109 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं का हिस्सा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पचरुखी प्रखंड में आयोजित कार्यक्रम में मेले को राजकीय दर्जा देने का ऐलान किया, ताकि श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। स्थानीय भाजपा सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल के प्रयासों से यह संभव हुआ, जिन्होंने मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह निर्णय वर्षों पुरानी मांग को पूरा करता है। राजकीय दर्जा मिलने से मेले के इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास होगा, रोजगार बढ़ेंगे और पर्यटन को नई ऊंचाई मिलेगी।

2025 के मेले की तैयारियां जोरों पर हैं। एसडीओ अनीता सिन्हा की अध्यक्षता में बैठकें हो रही हैं, जहां नियंत्रण कक्ष, बिजली व्यवस्था, सुरक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं पर चर्चा की गई। एसडीएम ने सभी प्रखंडों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं, ताकि मेला शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न हो। स्थानीय लोग इस फैसले से उत्साहित हैं और मौनिया बाबा स्थल पर जयकारों का माहौल है। यह फैसला न केवल धार्मिक महत्व को बढ़ावा देगा, बल्कि क्षेत्रीय विकास में भी मील का पत्थर साबित होगा।

एचडीएफसी बैंक ने एएमबी को लेकर दी स्पष्टीकरण

पटना (उत्तरशक्ति)। हम यह बताना चाहेंगे कि एचडीएफसी बैंक ग्राहकों की प्रोफाइल के अनुरूप कई प्रकार के बचत खाते उपलब्ध कराता है। प्रत्येक संस्करण में दी जाने वाली मूल्यवर्धित सेवाओं के आधार पर औसत मासिक शेष की अलग-अलग आवश्यकताएं होती हैं। बैंक के अनुसार, नियमित बचत खाते के लिए एएमबी 10,000 रुपए और सेविंग्स मैक्स खाते के लिए एएमबी 25,000 रुपए पहले की तरह ही लागू रहेगा। किसी भी प्रकार के खाते के लिए औसत मासिक शेष (एएमबी) आवश्यकता में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। ग्राहक प्रोफाइल के आधार पर सभी प्रकार ग्रामीण, अर्ध-शहरी, शहरी और मेट्रो शाखाओं में उपलब्ध हैं। मेट्रो क्षेत्रों में ग्राहकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए, बैंक मेट्रो शाखाओं में नए खाते खोलने वाले ग्राहकों को सेविंग मैक्स खाता प्रदान करने को प्राथमिकता देगा।

चिकित्सा शिविरों में दिखी परिक्रमार्थियों की आवक

चिराना। मालकेतु की लगनी वाली 24 कोशिका परिक्रमा के दौरान इस बार भी आयुर्वेद विभाग द्वारा तीन स्थानों पर चिकित्सा शिविर लगाए हैं। निर्धारित किए गए चिकित्सा शिविरों में यात्री अपनी पीड़ा बताकर आयुर्वेद चिकित्सा का पूर्ण लाभ ले रहे हैं और अपना खाया पिया पचाने के लिए एवं पेट की होने वाली तकलीफों में आयुर्वेद आयुर्वेद के चूर्ण को अपना रहे हैं शिविरों के दौरान दूर-दराज से आए हुए परिक्रमार्थी अपना इलाज आयुर्वेद से लेने में सुरक्षित समझते हैं। विभाग द्वारा इस बार भी तीन जगह चिकित्सा शिविर लगाया गया है जो पैदल यात्रा के लिए के लिए मुफ्त है। परिक्रमा में पड़ने वाले मुख्य मार्ग कोट में डॉक्टर प्रताप राम कुमावत एवं कंपाउंड सुमेर सिंह अपनी सेवाएं दे रहे हैं तो वही चिराना कस्बे के मुख्य मार्ग चारभुजा मंदिर के पास डॉक्टर मदन लाल सैनी डॉ.विवेकानंद शर्मा कंपाउंडर दीपक शर्मा एवं प्रमिला नर्स अपनी ड्यूटी दे रहे हैं।शिविर प्रभारी डॉ. राजेंद्र कुमावत ने बताया कि लोहार्गल में उनके सहयोगी डॉक्टर अशोक सैनी कंपा.राजकुमार ,कृष्ण कुमार और परिचारक दिनेश सिंह लोहार्गल के केंद्र पर चिकित्सा शिविर में परामर्श एवं निशुल्क दवा वितरण कर परिक्रमा में जाने वाले की सेवा कर रहे हैं।

वरिष्ठ सहकारिता विशेषज्ञ एवं सीए के.आर. बिंद सहित कई महानुभव सम्मानित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। योग्य कार्यकर्ता एवं विशेष कार्यकारी अधिकारी प्रभाकर तुकाराम कांबले, वरिष्ठ सहकारिता विशेषज्ञ एवं सीए किशोरीलाल. आर. बिंद और राजेंद्र सहदेव जाधव को जय महाराष्ट्र पत्रकार संघ, समाचार पत्र लेखक संघ और दैनिक झुंझ0.र लेखनी की ओर से विधायक अशोक भाऊ धात्रक और भारत सरकार सेंसर बोर्ड के सदस्य विलास खानोलकर, सामाजिक कार्यकर्ता स्वाति ओक द्वारा स्मृति चिन्ह और प्रशंसा पत्र देकर वर्ष 2025 के महारानी अहिल्याबाई होल्कर महाराष्ट्र रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मैत्री संस्था के अध्यक्ष और महाराष्ट्र पत्रकार संघ के सचिव सूरज भोईर ने की।

जय महाराष्ट्र पत्रकार एवं समाचार पत्र लेखक कवि महासंघ दैनिक झुंझर लेखनी की ओर से हाल ही में महारानी अहिल्याबाई होल्कर की गौरवशाली 300वीं जयंती के अवसर पर मुंबई मराठी पत्रकार संघ पत्रकार भवन में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। उस समय, योग्य कार्यकर्ता, विशेष कार्यकारी अधिकारी, चुनाव निर्णय अधिकारी, राज्य योग्य कार्यकर्ता संघ महाराष्ट्र राज्य मुंबई जिला अध्यक्ष और वनिता फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष प्रभाकर तुकाराम कांबले, वरिष्ठ सहकारिता विशेषज्ञ और सीए किशोरीलाल आर बिंद, सामाजिक कार्यकर्ता और सम्यक चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेंद्र सहदेव जाधव, कुशल कार्यकर्ता राजेंद्र कांबले, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता नागोराव शिखर, सामाजिक कार्यकर्ता सुशांत सकपाल, संतोष मटकर और दशावतारी रंगमंच कलाकार गौतम कदम को महारानी अहिल्याबाई होल्कर महाराष्ट्र रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विधायक अशोक भाऊ धात्रक, सहायक परियोजना अधिकारी तेजस्वी गलांडे होलकर, अभिनेत्री जारा खान, सामाजिक कार्यकर्ता स्वाति ओक, भारतीय सेंसर बोर्ड की सदस्य, धड़क कामगार यूनियन के संस्थापक और दैनिक मुंबई मित्र के संपादक विलास खानोलकर, झुंजार लेखनी के संपादक अभिजीत राणे, संतोष धुरंदर, पुलिस मित्र दिलीप नारद, तेजस्विनी महिला मंडल की अध्यक्ष संगीता शिंदे, सामाजिक कार्यकर्ता संगीता गुरव, शिवश्री विजय भोसले उपस्थित थे। कार्यक्रम में आए सभी गणमान्य लोगों को महारानी अहिल्याबाई होलकर महाराष्ट्र रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। साथ ही, कार्यक्रम में आए प्रमुख गणमान्य लोगों का पुष्पगुच्छों से स्वागत किया गया और कार्यक्रम का संचालन और परिचय संतोष ने किया। सूरज भोईर ने खराटमोल और उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया और कहा कि कार्यक्रम के लिए कड़ी मेहनत करने वाले कार्यकर्ताओं, जैसे प्यार मित्र तानाजी फणसे, आदर्श शिक्षिका मनीषा मंधारे, अभिनेत्री निशा जाधव, विजय केडसे, स्वतंत्र पत्रकार राजेश जाधव, विनायक जावलेकर, साईं रामपुरकर, छाया मैडम, सामाजिक कार्यकर्ता कल्पना शिंदे, कुशल कार्यकर्ता प्रभाकर कांबले, राजेंद्र कांबले, ने विशेष प्रयास किया है और अंत में सभी को जलपान कराकर कार्यक्रम का समापन किया गया। सभी पुरस्कार विजेता कार्यकताओं का विभिन्न स्तरों पर अभिनंदन किया जा रहा है।

जल्द शुरू होगा वसई टर्मिनस बनाने का काम

वसई । वसई टर्मिनस बनाने का काम जल्द ही शुरू होगा, चीफ एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिस कंस्ट्रक्शन वेस्टर्न रेलवे से मुलाकात निरंजन पाल DRUCC मेंबर से हुई मुलाकात में विनीत गुप्ता ने निरंजन पाल को बताया की वसई टर्मिनस का काम का टेंडर दिसंबर 2025 तक निकलेगा और वसई टर्मिनस बनने का कार्य अप्रैल 2026 से भूमि पूजन होकर शुरू होगा। 2027 एंडिंग तक मेल ट्रेन वसई रेलवे स्टेशन से शुरू हो जाएगी। यह कार्य वसई टर्मिनस बनने हो रहा है यह समाज सेवक खासदार हेमंत सवरा और आमदार राजन नाईक, कैलाश वर्मा महाराष्ट्र प्रदेश संयोजक रेलवे प्रवासी प्रकोष्ठ भाजपा की नेतृत्व में पूरा काम किया जा रहा है। रेलवे से अच्छा प्रवास हो आपकी तकलीफ दूर हो इसके ऊपर हम सब मिलकर काम कर रहे हैं।

राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त करने वाली अंजू कुमारी को होटल मौर्या ने किया सम्मानित

पटना। होटल मौर्या, पटना द्वारा एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान महामहिम राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त करने वाली अंजू कुमारी को होटल मौर्या द्वारा सम्मानित किया गया। सम्मानित होने पर अंजू कुमारी ने होटल मौर्या परिवार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मेरे सफलता और इस राष्ट्रीय सम्मान के पीछे होटल मौर्या का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इस अवसर पर लोगों को सम्बोधित करते हुए होटल मौर्या के जनरल मैनेजर अपूर्व गौड़ ने कहा कि होटल मौर्या को अंजू कुमारी की प्रेरणादायक यात्रा का हिस्सा बनने पर गर्व है। अंजू की यात्रा की शुरूआत होटल मौर्या और ग्रीनपीस द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक दूरदर्शी खाद्य कार्यक्रम से हुई, जहां उन्होंने हमारे शेफ़्स के साथ मिलकर स्थानीय सामग्रियों और पारंपरिक पाककला तकनीकों पर प्रकाश डाला।

अखंड क्षत्रिय समाज संस्था का कजरी महोत्सव सपन्न

लालशेखर सिंह

नालासोपारा। 17अगस्त अखंड क्षत्रिय समाज संस्था के द्वारा नालासोपारा पूर्व स्थित रीजेंसी बैंक्वेट हॉल में लोक संस्कृति और लोक भाषा के संरक्षण और महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से सायं 5 से रात्रि 10 बजे तक कजरी महोत्सव एवं महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।लोक गायिका तनु प्रियंका सिंह ने झमाझम बरसते बादलों के बीच कजरी गीतों की सुमधुर प्रस्तुति करके लोगों का मनमोह लिया। अखण्ड क्षत्रिय सेवा संस्था के इस आयोजन मे बड़ी संख्या में लोगों ने उपस्थित होकर कजरी का आनद लिया। संस्था के द्वारा महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को उपहार भेंट करके सम्मानित किया गया।संस्था के पदाधिकारी कुँवर संजय सिंह, सतीश सिंह आइडियल ने अपनी लोकसंस्कृति और लोकभाषा का संरक्षण करते हुए इसका हमारी नई पीढ़ी से परिचय करवाना समय की माँग है।संस्था के पदाधिकारी उद्योगपति बिजेंद्र सिंह, विजय भान सिंह ने संस्था द्वारा अपने समाज,संस्कृति और लोकभाषा के हित में हर संभव सहयोग का वचन दिया।विगत कई वर्षों से संस्था के प्रचार-प्रसार में लगे वरिष्ठ पत्रकार लालशेखर सिंह और योगेन्द्र सिंह भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। अखंड क्षत्रिय सेवा संस्था के इस सांस्कृतिक कार्यक्रम को सफल बनाने में सुधाकर सिंह बिसेन,, प्रसिद्ध अधिवक्ता मनोज ओमकार नाथ सिंह, जयनाथ सिंह, समरबहादुर सिंह, सन्तोष सिंह उजाला, आर डी सिंह अध्यक्ष युवा, प्रभात सिंह बबलू, अवनीश सिंह, अजय सिंह ठाकुर, , अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह, अशोक सिंह कार्याध्यक्ष, मनोज सिंह,शिवशंकर सिंह, ईदेश सिंह, अमित सिंह, अशोक सिंह आशावादी, राहुल वंशराज सिंह ब्लॉक प्रमुख, अरुण सिंह अधिवक्ता, राजकुमार सिंह,मनोज सिंह मान ,डॉक्टर ज्योती महावली सिंह डॉक्टर पीयूष सिंह,सविता सिंह,अधिवक्ता उदय प्रताप सिंह, विशाल सिंह, राजपुताना एकता फाउंडेशन के उपाध्यक्ष प्रतीक सिंह ने अपनी उपस्थिति और सहयोग से कार्यक्रम को सफल बनाया।इस प्रकार सुरुचिपूर्ण भोज के साथ हर्षोल्लास से कजरी महोत्सव का आयोजन सफल रहा।संस्था के पदाधिकारियों के द्वारा सुप्रसिद्ध लोकगायिका तनु प्रियंका सिंह की प्रसंशा करते हुए सम्मानित किया गया।

विजय हनुमान मंदिर पर श्री कृष्ण जन्माष्टमी धूम धाम से मनाया गया

-आदेश मिश्र

मुंबई। विक्रोली पार्कसाइट के गुलाबजी तिवारी चाल में स्थित विजय हनुमान मंदिर पर बाबुलनाथ गुलाब जी तिवारी के परिवार द्वार श्री कृष्ण जन्माष्टमी बड़े ही धूम धाम से मनाया गया। भजन गायक बैकुंठनाथ तिवारी, ढोल वादक डॉ रमेश पांडेय की टीम ने भजन और सोहर से उपस्थित भक्त गण मंत्र मुग्ध हो गए। जन्मोत्सव के पश्चात आरती, दर्शन आशीर्वाद के लिए भक्तों की घंटों भीड़ लगी रही। तत्पश्चात प्रसाद का वितरण हुआ, आयोजन में तालुका प्रसाद तिवारी,बाबुलनाथ तिवारी, रामशिंगार तिवारी, नीलेश तिवारी, श्री हनुमान भक्त योगेश तिवारी, प्रेमनाथ तिवारी, पत्रकार अखिलेश तिवारी, पंकज तिवारी,मनोज तिवारी,नितिन तिवारी, प्रतीक तिवारी, आशीष तिवारी, अमित तिवारी,आदेश मिश्र समेत तमाम महिलाएं और दूर दराज से आए हुए सैकड़ों भक्त गण मौजूद रहे।

जेनएस लाइफ ने रियल हीरोज की प्रस्तुति की

मुंबई। भारतके 78 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों के लिए समर्पित भारत के पहले लाइफस्टाइल ऐप जेनएस लाइफ ने रियल हीरोज की प्रस्तुति की। यह एक मार्मिक फीचर फिल्म है जो राष्ट्र के सशस्त्र बलों के दिग्गजों और स्वतंत्रता सेनानियों की असाधारण कहानियों को पर्दे पर प्रस्तुत करेगी। रियल हीरोज भारत की महानतम पीढ़ीके साहस, बलिदान और अटूट देशभक्ति को एक सिनेमाई श्रद्धांजलि है। प्रत्यक्षदर्शी विवरणोंसे बुनी गई एकशक्तिशाली कथाके माध्यमसे, यह फिल्म उन लोगोंका एक अंतरंग चित्रण प्रस्तुत करती है जिन्होंने राष्ट्र के स्वतंत्रता संग्रामको आकार दिया और बाद के वर्षोंमें उसकी संप्रभुता की रक्षा की। जेनएस लाइफ की संस्थापक मीनाक्षी मेनन ने कहा, हमारे वरिष्ठ नागरिक भारत की विरासत के जीवंत संरक्षक हैं। रियल हीरोज के साथ, हम न केवल उनकी राष्ट्र के प्रति सेवा का, बल्कि उनकी अटूट भावना का भी सम्मान करते हैं। ये कहानियाँ एक श्रद्धांजलि और उस नींव को याद करनेका आह्वान हैं, जिसपर हमारी स्वतंत्रता टिकी है। यह हमारी जिम्मेदारी है कि इन आवाजों को समय के साथ खोने न दिया जाए। हमें विश्वास है कि यह फिल्म पूरे राष्ट्रको झक झोरेगी और इसमें हमारे भविष्यका मार्ग प्रशस्त करने वाले लोगोंकी दिल से प्रशंसा की जाएगी। प्रसिद्ध निमार्ता / निर्देशक और बेस्टसे लिंग लेखक अनिरबन भट्टाचार्य द्वारा निर्देशित, यह फिल्म सोनी लिव के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर विशेष रूपसे स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगी। यह फिल्म देश के आइकन्स उन नायकोंकी की आवाजों को एक साथ लाती है, जिनके साहस और दृढ़ विश्वास ने भारत की यात्रा को स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आधुनिक सैन्य अभियानों तक आकार दिया है। उनकी कहानियाँ पीढ़ियों तक फैली हैं, जो कर्तव्य, धैर्य और राष्ट्रके प्रति अटूट प्रेमके एक सामान्य धागे से बंधी हुई हैं।

घाटकोपर में श्री रामलीला उत्सव समिति की बैठक संपन्न

मुंबई। श्री रामलीला उत्सव समिति पार्कसाईट की आगामी रामलीला मंचन की तैयारी हेतु समिति के अध्यक्ष एवं ब्लॉक प्रमुख प्र.प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल रिंकू भइया की अध्यक्षता में रविवार को सागर पार्क अमृतनगर घाटकोपर वेस्ट में बैठक आयोजित किया गया था। जिसमें आगामी 22 सितम्बर से 3 अक्टूबर 2025 तक रामलीला मंचन कार्यक्रम के विषय में समिति की कार्यकारिणी के समर्थन से श्रीराम बारात, श्री रामचरित मानस महाकाव्य और महाभारत महाकाव्य पर आधारित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता,दशहरा,कवि सम्मेलन इत्यादि विषयों पर विचार विमर्श किया गया। इस मौके पर समिति अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल,सर्वदेव पांडेय, दलजीत पांडेय,अनिल सिंह, विमलेश मिश्रा,मनिकेश तिवारी, अरविंद के शुक्ल,राजेश सिंह, बृजेश शुक्ल,दिनेश सिंह, अरविंद सी शुक्ल,अवधेश तिवारी,ब्रहदेव दुबे, शुभम सिंह, रामतीरथ शर्मा, विशेष कार्यकारी अधिकारी महाराष्ट्र शासन आदेश मिश्र सहित कई अन्य लोगों की उपस्थिति में बैठक संपन्न हुआ।

नकली खाद बीज बेचने वालों का बोलबाला

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति) ।केराकत क्षेत्र में इन दिनों जहाँ एक तरफ खाद बीज के निजी विक्रय केंद्रों पर नकली कीटनाशक से लेकर बीज खाद तक बेचे जा रहे है वहीं कृषि विभाग के कृषि अधिकारी अपने में ही मस्त दिखाई पड़ रहें है ।देखा जाए तो सरकार के आदेश का कृषि विभाग पर कोई फर्क.नहीं पद रहा ।कृषि विभाग के अधिकारी सरकार के आदेशों की धज्जियां उड़ाने पर तुले हुए है ।सरकार के आदेशअनुसार किसानों को मिलने वाला बीज खाद कीटनाशक की जांच कृषि विभाग के अधिकारियों को समय समय पर करते रहना चाहिए । पर कृषि विभाग है की कुंभकर्णीय नीद में डूबी हुई है ।कई किसानों का आरोप है की यह नकली का खेल बदस्तूर चला आ रहा है कभी भी इसकी कोई जांच होती ही नहीं है ।वहीं किसान दीपनरायण सिंह ने बताया की अपने खेत में जंगली घांस को गलाने के लिए 2 हजार रुपये का दवा मंगवाया और खेत में डाला पर घास वैसे का वैसा ही रह गया,और पैसा भी बर्बाद हुआ ।उनका कहना है की कृषि विभाग को इन जैसे दुकानदारों पर जांच करनी चाहिए ।किसानों का हक मारने वालों को बख्शा जाना नहीं चाहिए ।और यह कार्य तभी संभव है जब कृषि विभाग के अधिकारी अपनी तत्परता दिखायेंगे।

36वां बालगोकुलम श्री राधा कृष्ण रूप सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन

नगर स्थित मैरेज लॉन में किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ

-अभिताश गुप्ता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रकाशनार्थ कला एवं साहित्य की अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती जौनपुर द्वारा आयोजित 36 वां बालगोकुलम श्री राधा कृष्ण रूप सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन नगर स्थित मैरेज लॉन में किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ विशिष्ट अतिथि मनोज अग्रहरि, संरक्षक रविंद्र नाथ, डॉ.क्षितिज शर्मा प्रांतीय महामंत्री ,सुजीत संस्थाध्यक्ष डॉ.ज्योति दास ने दीप प्रज्वलित एवं माँ सरस्वती एवं श्री राधा कृष्ण को पुष्प अर्पित करके किया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री बृजेश सिंह प्रिंशु सदस्य विधान परिषद उत्तर प्रदेश विशिष्ट अतिथि मनोज अग्रहरि, डॉ.उत्तम सिंह कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ.शुभा सिंह का स्वागत संस्थाध्यक्ष एवं महामंत्री ने अंगवस्त्रम पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह देकर किया गया।प्रतियोगिता तीन चरणों में सम्पन्न हुई लल्ला वर्ग राधा वर्ग कृष्ण वर्ग तीनों चरणों में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थानों पर निर्णायक मंडल द्वारा चयनित बच्चों में श्री लल्ला वर्ग में राघव नरंग ने प्रथम आनव ने द्वितीय व रुद्र प्रताप ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। श्री कृष्ण वर्ग में अदित्री वर्मा ने प्रथम स्वास्तिक श्रीवास्तव ने द्वितीय व शिवम साव ने तृतीय स्थान प्राप्त किय। श्री राधा वर्ग में वानी आर्या ने प्रथम वास्तिका शुक्ला ने द्वितीय व अनायशा जायसवाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी को अतिथियों द्वारा पुरस्कार व प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। सभी प्रतिभागियों को संस्था द्वारा प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बृजेश सिंह प्रिंशु ने कहा यह बड़े ही गर्व का विषय है कि संस्कार भारती अनवरत 36 सालों से यह प्रतियोगिता आयोजित कर हमारी संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखे हुए है।उन्होंने कहा की कान्हा की बांसुरी की धुन सभी के जीवन में आनंद और खुशियां लाए संस्कार भारती यह प्रतियोगिता कराकर हमारी संस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाना तथा समाज में संस्कृति एवं परंपरा का संवर्धन करना अत्यंत सराहनीय प्रयास है।कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ.शुभा सिंह ने बच्चों को अपना आशीर्वाद दिया।उन्होंने कहा कि संस्कार भारती का यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है और समाज के लिए आज के परिवेश के लिए महत्वपूर्ण है विशिष्ट अतिथि डॉ.उत्तम सिंह ने कहा कि संस्कार भारती कार्यक्रम हमेशा होते रहना चाहिए जो कि हमारी कला और परंपराओं को जागृत करते है विशिष्ट अतिथि मनोज अग्रहरि ने भी बच्चों को अपने आशीर्वचनों से भूरिझ्भूरि प्रशंसा की कार्यक्रम के समापन पर सभी सज्जित राधा व कृष्ण की सामूहिक रूप से आरती उतारी गई।कार्यक्रम में निर्णायक मंडल के भूमिका में श्रीमती सुषमा गुप्ता मंजू देवी एवं कलाविद रविकांत थे कार्यक्रम संयोजक संतोष अग्रहरि, नीतू अग्रहरि, नीरज श्रीवास्तव, सिंधुजा श्रीवास्तव, सुजीत अग्रहरि, अंजू अग्रहरि को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से, डॉ.अरुण कुमार मिश्र, अमित श्रीवास्तव, नरेंद्र पाठक, आशीष साहू, राजकमल, मनीष अस्थाना, राजेश किशोर, विष्णु गौड़, मयंक नारायण, अरुण केशरी, बालकृष्ण सुप्रतीक, शिवनारायण, आशीष जायसवाल, दिलीप सिंह प्रदीप सिंह विनोद अग्रहरि धर्मेन्द्र जी उमापति केडिया आकाश सेठ,गौरव श्रीवास्तव,मनीष श्रीवास्तव, गणतंत्र श्रीवास्तव, अनिल बिंद ,मनोज गुप्ता ,ज्योति, ऋषि श्रीवास्तव, सौरभ श्रीवास्तव, सोनम अग्रहरि, साक्षी श्रीवास्तव, प्रियंका साहू, माही केशरी, अनिल बिंद उपस्थित थे। कार्यक्रम का शानदार संचालन ऋषि श्रीवास्तव एवं अर्चना सिंह जी ने संयुक्त रूप से किया कार्यक्रम का समापन सामूहिक रूप से वन्दे मातरम गीत से हुआ कार्यक्रम का समापन एवं अतिथियों का आभार महामंत्री अमित अंशु ने किया।

काशी में जन्माष्टमी की धूम, घाट से लेकर मंदिरों तक भक्ति का उत्सव

-सुरेश गांधी

वाराणसी. भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव पर पूरी काशी भक्तिरस में सराबोर रही। शनिवार की रात से लेकर रविवार की भोर व देर रात तक मंदिरों और घाटों पर कान्हा की बांसुरी की गूंज और भजनों की स्वर-लहरियों ने श्रद्धालुओं को मोह लिया। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व पर श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़ ने वाराणसी को जीवंत कर दिया। गंगा तट से लेकर गलियों तक और मंदिरों से लेकर घर-घर तक कान्हा की जन्मलीला का उल्लास छाया रहा। भव्य सजावट, झांकियों और मधुर भजनों ने वातावरण को अद्भुत बना दिया। राधे-श्याम, जय कन्हैयालाल की के जयघोष और ढोल-मंजीरों की ताल ने रातभर उत्सव का रंग जमाए रखा। भक्तों ने उपवास कर मध्यरात्रि में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया और प्रसाद पाकर पुण्य लाभ अर्जित किया। इस दौरान भक्तों ने बालगोपाल की महाआरती उतारी। इसके बाद पूरा परिवेश कृष्णमय हो गया। चाहे पुलिस लाइन हो या बाबा विश्वनाथ धाम या इस्कॉन मंदिर सहित अन्य श्रीकृष्ण मंदिरों में मध्यरात्रि हवाई गर्जनाओं के साथ श्री कृष्ण प्रकट हुए। जन्म के साथ ही भगवान कृष्ण का अभिषेक कर उन्हें पंचमेवा, माखन मिश्री व पंजीरी आदि का भोग लगाया। प्रभु की बलाइयां लेने के लिए हजारों हाथ एक साथ उठे। घरों में भी श्रद्धालुओं ने भगवान का अभिषेक कर नवीन पोशाक पहनाई व पूजन आरती की। साथ ही व्रत भी रखा। दर्शन के लिए भक्तों का ताता देर रात तक लगा रहा। पुलिस लाइन स्थित श्रीकृष्ण मंदिर में जन्माष्टमी पर पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने परिजनों संग विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान का आशीर्वाद लिया। पुलिस परिवार के साथ शहरवासी भी यहां जुटे और देर रात तक भक्ति रस में डूबे रहे। इसके अलावा दशाश्वमेध घाट, संकट मोचन मंदिर, दुगार्कुंड और अन्य प्रमुख मंदिरों को झालरों, पुष्पमालाओं और विद्युत रोशनियों से सजाया गया। लड्डू गोपाल की झांकियां और नंदोत्सव के दृश्य श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बने। कई स्थानों पर मटकी सज्जा और गोपाल लीला के कार्यक्रम भी हुए। हरिनाम संकीर्तन, कलश महाअभिषेक और भजन संध्या ने भक्तों को अध्यात्म की गहराइयों में डुबो दिया। मध्यरात्रि में निशिता काल पर विशेष महाभिषेक और आरती संपन्न हुई। इस प्रकार, भक्ति, अध्यात्म, संस्कृति और पर्यावरण चेतना के अद्भुत संगम के साथ वाराणसी ने इस वर्ष जन्माष्टमी को ऐतिहासिक और अविस्मरणीय बना दिया।

अब थानों पर लगेगी जुआ-सट्टा और वेश्यावृत्ति करने वालों की तस्वीरें

वाराणसी. अपराध पर अंकुश लगाने और पुलिसिंग को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट वाराणसी मोहित अग्रवाल ने सोमवार को कैम्प कार्यालय में आयोजित मासिक अपराध समीक्षा बैठक में सख्त दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि ह्लजुआ, सट्टा एवं वेश्यावृत्ति जैसे अपराधों में संलिप्त व्यक्तियों की नाम और फोटोग्राफ सहित सूची प्रत्येक थाने में अनिवार्य रूप से प्रदर्शित की जाएगी।

पुलिस आयुक्त ने गौ-तस्करी, मादक पदार्थों की तस्करी, जुआ-सट्टा संचालन तथा स्पा सेंटर की आड़ में हो रहे अनैतिक धंधों पर कठोर कार्रवाई का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनशिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पुलिसकर्मियों की कार्यकुशलता का प्रमुख पैमाना होगा। मतलब साफ है वाराणसी पुलिस आयुक्त द्वारा दिए गए निर्देश केवल औपचारिक घोषणा नहीं, बल्कि अपराध पर सख्ती से नकेल कसने की ठोस रणनीति हैं। थानों पर जुआ-सट्टा व वेश्यावृत्ति में लिप्त व्यक्तियों की सूची प्रदर्शित करना न केवल अपराधियों की पहचान को सार्वजनिक करेगा, बल्कि जनता में यह संदेश भी देगा कि अपराध छिपाए नहीं जाएंगे। महिला अपराधों पर जीरो टॉलरेंस और साइबर अपराधों पर फोकस समय की सबसे बड़ी जरूरत है। साथ ही, जनता से संवाद और शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर जोर पुलिस की साख को मजबूत करेगा। जरूरी है कि इन निर्देशों का पालन केवल कागजों पर न रहकर जमीनी स्तर पर कड़ाई से लागू हो। तभी वाराणसी में अपराध पर अंकुश और पुलिस पर जनता का भरोसा, दोनों समान रूप से स्थापित हो पाएंगे। बैठक में अपर पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था एवं मुख्यालय शिवहरी मीणा, अपर पुलिस आयुक्त अपराध राजेश कुमार सिंह, समस्त पुलिस उपायुक्त, अपर पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस आयुक्त, थाना प्रभारी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्य निदेर्शों में शामिल बिंदु :-

बीट प्रणाली को पारदर्शी बनाते हुए प्रत्येक बीट को यूनिक नम्बर देना और हिस्ट्रीशीटरों व संपत्ति अपराधियों की सूची थानों पर प्रदर्शित करना। महिला अपराधों पर जीरो टॉलरेंस, शोहदों की सूची बनाकर सतत निगरानी। ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत बिना नम्बर व काली फिल्म लगे वाहनों, दोपहिया पर तीन सवार युवकों और संदिग्ध गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई। यातायात सुधार हेतु अतिक्रमण विरोधी अभियान और लापरवाह अधिकारियों पर दंडात्मक कार्रवाई। साइबर अपराध रोकने के लिए साइबर थाना व सेल के कर्मियों को प्रशिक्षण, आमजन को डिजिटल सुरक्षा पर जागरूक करना और सभी पुलिसकर्मियों के लिए सीवाई ट्रेन करेर्स अनिवार्य।

पुलिसकर्मियों को जनता से संवाद में संवेदनशील और सकारात्मक व्यवहार अपनाने की हिदायत।

ऊपर ट्रेन की रफ्तार और नीचे ऊर्जा का उत्पादन, यह है नए भारत की नई सोच

70 मीटर ट्रैक पर लगाए गए इन पैनलों से प्रतिदिन 67 यूनिट बिजली का उत्पादन होगा

वाराणसी। भारतीय रेलवे ने हरित ऊर्जा की दिशा में एक और ऐतिहासिक कदम बढ़ाया है। बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) ने देश में पहली बार सक्रिय रेलवे पटरियों के बीच हटाने योग्य सौर पैनल प्रणाली स्थापित कर इतिहास रच दिया। बरेका के महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह ने फीता काटकर इस अनूठे नवाचार का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना रहा है कि भारत हरित ऊर्जा में आत्मनिर्भर बने। रेलवे का यह प्रयोग उसी विजन का जीवंत उदाहरण है। खास यह है कि इससे न सिर्फ कार्बन उत्सर्जन में कमी, रेलवे का खर्च घटेगा बल्कि ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर यह बड़ा कदम है, जो दुनिया के लिए मिसाल बनेगा. जहां विकसित देश भी इस प्रयोग से दूर हैं, भारत ने इसे हकीकत में बदल दिया। यह बताता है कि भारत सतत विकास का नेतृत्व करने को तैयार है। बता दें, बरेका की कार्यशाला की लाइन संख्या 19 पर पायलट प्रोजेक्ट के तहत 70 मीटर लंबाई में 28 सोलर पैनल लगाए गए हैं। इस विशेष इंस्टॉलेशन में स्वदेशी डिजाइन का उपयोग किया गया है, जिससे ट्रेन यातायात पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा और आवश्यकता पड़ने पर पैनलों को आसानी से हटाया भी जा सकता है। बरसात, धूल-मिट्टी और रखरखाव कठिनाइयाँ पैदा करेंगे। लेकिन भारत ने बीते दशक में जिस तेजी से सौर ऊर्जा को अपनाया है, उससे उम्मीद है कि ये चुनौतियां पार होंगी। महाप्रबंधक ने इस परियोजना को सफल बनाने के लिए मुख्य विद्युत सर्विस इंजीनियर श्री भारद्वाज चौधरी और उनकी पूरी टीम की सराहना की। ऊपर विकास की रफ्तार, नीचे हरित ऊर्जा का प्रवाह, यही है नए भारत का असली विजन। 70 मीटर ट्रैक पर लगाए गए इन पैनलों से प्रतिदिन 67 यूनिट बिजली का उत्पादन होगा। बरेका का यह नवाचार बताता है कि भारत विकास और हरित ऊर्जा को साथ लेकर चलने के लिए तैयार है। ऊपर दौड़ती ट्रेन और नीचे बहती सौर ऊजार्कृयही है नए भारत की वह तस्वीर जो पर्यावरण और प्रगति का संतुलन रचती है।

भारतीय रेलवे के 1.2 लाख किमी लंबे नेटवर्क में, विशेषकर यार्ड लाइनों पर, इस तकनीक को बड़े पैमाने पर अपनाया जा सकता है। भूमि अधिग्रहण की जरूरत नहीं होगी क्योंकि पटरियों के बीच की खाली जगह का ही उपयोग होगा। अनुमान है कि प्रति किमी प्रतिवर्ष 3.21 लाख यूनिट बिजली का उत्पादन किया जा सकता है। महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह ने कहा, यह परियोजना न केवल सौर ऊर्जा के उपयोग का नया आयाम है, बल्कि यह भविष्य में भारतीय रेलवे के लिए हरित ऊर्जा का सशक्त मॉडल बनेगा। बरेका की यह पहल रेलवे को नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य की ओर एक बड़ा कदम है।

भारतीय रेलवे के इतिहास में नया अध्याय जुड़ गया है। पहली बार ट्रेन की पटरियों के बीच सौर पैनल लगाए गए हैं। ऊपर रफ्तार से दौड़ती ट्रेन और नीचे ऊर्जा का उत्पादन, यह दृश्य सिर्फ तकनीकी प्रयोग नहीं, बल्कि नए भारत की सोच है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लंबे समय से हरित ऊर्जा और आत्मनिर्भर भारत की बात करते रहे हैं। यह कदम उसी विजन की झलक है। रेलवे देश की सबसे बड़ी ऊर्जा उपभोक्ता इकाई है। पटरियों के बीच सौर पैनल लगाने से न केवल कार्बन उत्सर्जन घटेगा, बल्कि रेलवे का संचालन खर्च भी कम होगा। यह प्रयोग दुनिया के लिए भी मिसाल है। विकसित देश भी जहां इस तरह की कल्पना तक नहीं पहुँचे, वहां भारत ने इसे हकीकत बना दिया। यह बताता है कि भारत अब तकनीकी आत्मनिर्भरता के साथ सतत विकास की राह पर नेतृत्व करने को तैयार है।